आश्विन कृष्ण - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 59 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 21-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत को 2047 तक खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाने का लक्ष्य : मांडविया

6 दुनिया में अमनचैन, अयुद्ध एवं शांति का उजाला हो

7 कंगना रनौत ने फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए लोगों से की भावुक अपील

फर्स्ट टेक

आतंकवादी पन्नू से जुड़े ठिकानों पर एनआईए के छापे

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) की टीमों ने प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ आतंकवाद और हिंसा फैलाने से जुड़े एक मामले में शुक्रवार को पंजाब में चार जगह छापे और तलाशी की कार्रवाई की। पन्नू भगौड़ा घोषित और वह अमेरिका में रह कर एसएफजे के बैनर तले भारत विरोधी गतिविधियों में लगा है। एनआईए की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्रवाई उसके खिलाफ दर्ज रिपोर्ट संख्या आरसी /30/2023/एनआईए/डीएलाई के जांच के संबंध में की गयी । एनआई की टीमों ने मोगा में एक जगह भठिंडा में दो जगह और मोहाली में एक जगह तलाशी और छापे की कार्रवाई की।

खायी में गिरी बस, बीएसएफ के चार जवानों की मौत, 26 घायल

श्रीनगर/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एक बस के खाई में गिरने से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कम से कम चार जवानों की मौत हो गई और 26 घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ द्वारा दूसरे चरण के चुनाव ड्यूटी के लिए किराए पर ली गई एक सिविल बस बडगाम के वतरहाल इलाके के ब्रेल के पास एक खाई में गिर गई, जिसके कारण बीएसएफ के कई जवान घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया, घायलों में से चार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि करीब 26 घायलों को बडगाम और श्रीनगर में विभिन्न चिकित्सालयों में भर्ती कराया गया है।

वक्फ संशोधन विधेयक का तीन मुस्लिम संगठनों ने किया समर्थन

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े संगठन समेत तीन मुस्लिम संगठनों ने शुक्रवार को संसदीय समिति के समक्ष वक्फ कानून में प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया। हालांकि समिति की बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीं काउंसिल, आरएसएस से संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और गैर सरकारी संगठन 'भारत फर्स्ट' ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के समक्ष अलग-अलग अपनी प्रस्तुतियां दीं। कुछ विपक्षी सदस्यों ने उनके दावों को लेकर प्रतिवाद किया। सूत्रों का कहना है कि समिति में शिवसेना के सदस्य नरेश महस्के ने विपक्षी सदस्यों से कहा कि उन्हें दूसरे पक्ष की बात सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए।

21-09-2024 सूर्यास्त 6:16 बजे | 22-09-2024 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
84,544.31	25,790.95
(+1,359.52)	(+375.15)

सोना	चांदी
7,711 रु.	90,050 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कथा अनंता...

दुश्मन के तेवर हुए नर्म,
सीमा पर घट रहा है तनाव।
दहशतगर्दों के वही मगर,
मनसूबे रँग-ढँग हाव-भाव।
है यही नियति हर घटना की,
ना कोई अंतिम है पड़ाव।
पुलवामा का दिल में अब तक,
है आज तलक भी हरा घाव।।

तिरुपति प्रसाद मामले पर उचित कार्रवाई होगी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि तिरुमाला तिरुपति प्रसाद मामले में आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी गयी है और इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नड्डा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 100 दिन की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए कहा कि तिरुमाला तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट का मामला सामना आया है। यह जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आयी है, इसलिए इस संबंध में आंध्र प्रदेश सरकार से जानकारी मांगी गयी है।

नड्डा ने कहा, मैंने सुबह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू को फोन किया और उनसे इस संबंध में जानकारी ली। मैंने उनसे इस संबंध में पूरी जानकारी भेजने को कहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई होगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने की प्रणाली तय होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट की जांच करने के बाद प्रसाद में मिलावट के मामले में उचित और कानूनी कार्रवाई होगी।

साजिश की बू... तिरुपति मंदिर के प्रसाद मामले में जिस तरह का कुकृत्य हुआ है, वह जघन्य अपराध और घोर पाप है। करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई गई है। इस साजिश में जितने भी लोग शामिल हैं, उन सबके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, भले ही इसमें आंध्र प्रदेश की पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के लोग ही क्यों न शामिल हों।

धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा प्रशासन को करनी होगी : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तिरुपति के लड्डू से जुड़े मामले पर चिंता जताते हुए शुक्रवार को कहा कि पूरे देश में प्रशासन को धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद के अपवित्र होने की खबरें परेशान करने वाली हैं। भगवान बालाजी भारत और दुनिया भर में लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूजनीय देवता हैं। यह मुद्दा हर श्रद्धालु को आहत करेगा और इस पर गहराई से विचार करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''पूरे भारत में प्रशासन को हमारे धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा करनी होगी।''

तिरुपति लड्डू विवाद पर विहिप की मांग

सरकारों को मंदिरों का नियंत्रण हिंदू समाज को सौंप देना चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शुक्रवार को कहा कि तिरुपति मंदिर के लड्डू में पशुओं की चर्बी का कथित इस्तेमाल ''असहनीय'' है और यह मांग की कि आंध्र प्रदेश सरकार मंदिर का नियंत्रण व प्रबंधन हिंदू समाज को सौंप दे।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने देश भर में सभी मंदिरों और हिंदुओं के अन्य देवालयों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की भी मांग की। उन्होंने तिरुपति मंदिर के प्रसाद को अपवित्र करने में

कथित तौर पर शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा, ''तिरुपति की घटना विश्व हिंदू परिषद की इस विश्वास को और मजबूत बनाती है कि मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण की वजह से राजनीति का प्रवेश होता है। वहां (सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों में) गैर-हिंदू अधिकारियों की नियुक्ति होने से प्रसाद में जानबूझकर ऐसी अपिवत्रता की जाती है।''

बागड़ा ने कहा कि विहिप लंबे समय से मांग करती रही है कि हिंदुओं के मंदिर व अन्य धार्मिक स्थल सरकारी नियंत्रण में न रहें। उन्होंने तिरुपति लड्डू प्रसादम में पशुओं की चर्बी के कथित इस्तेमाल को ''असहनीय और घृणित कृत्य'' करार दिया तथा कहा कि इससे पूरा हिंदू समाज व्यथित और आहत है।

सीबीआई जांच की मांग

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू की तैयारी में घटिया सामग्री और पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल की सीबीआई जांच की मांग की। 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए सिंह ने कहा कि मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए और एजेंसी को यह पता लगाना चाहिए कि टीटीडी (तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम), जिसकी संपदा 20,000 करोड़ रुपये है, ने प्रसादम बनाने के लिए घी खरीदने पर कितना खर्च किया है? यह सिर्फ घोटाला ही नहीं बल्कि हिंदू धर्म को नष्ट करने की साजिश भी है।

कर्नाटक सरकार ने मंदिरों को केवल 'नंदिनी' घी का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया

बेंगलूरु/भाषा। तिरुपति लड्डू विवाद के बड़ा रूप लेने के बाद कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को एक परिपत्र जारी कर हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तहत आने वाले सभी मंदिरों को निर्देश दिया कि वे वहां तैयार किए जाने वाले प्रसाद की गुणवत्ता बनाए रखें। मंदिरों को केवल 'कर्नाटक मिल्क फेडरेशन' के नंदिनी ब्रांड घी का ही इस्तेमाल करने को कहा गया है। सरकारी परिपत्र में कहा गया है, '' निर्देश दिया जाता है कि कर्नाटक राज्य धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी अधिसूचित मंदिर 'सेवा', दीये, सभी प्रकार के प्रसाद बनाने तथा दसोहा भवन (जहां भोजन परोसा जाता है) में केवल नंदिनी घी का ही इस्तेमाल करें।''

उच्चतम न्यायालय का यूट्यूब चैनल हुआ हैक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय का यूट्यूब चैनल शुक्रवार को 'हैक' कर लिया गया और उसपर अमेरिकी कंपनी 'रिपल लैब्स' निर्मित 'क्रिप्टोकरंसी' के प्रचार वाला एक वीडियो दिखाई देने लगा।

हालांकि, इस वीडियो में कुछ नहीं था। वीडियो के नीचे लिखा था, ''ब्रैड गार्लिंगहाउस: रिपल रेसपोंड्स टू द एसईसी 2 बिलियन डॉलर फाइन! एक्सआरपी प्राइज प्रेडिक्शन।''

शीर्ष न्यायालय अपनी संविधान पीठ के समक्ष सूचीबद्ध मामलों और जनहित से जुड़े विषयों की सुनवाई के सीधे प्रसारण के लिए यूट्यूब चैनल का उपयोग करता है।

न्यायालय की वेबसाइट पर पोस्ट किये गए एक नोटिस में कहा गया है, ''सभी को सूचित किया जाता है कि उच्चतम न्यायालय के यूट्यूब चैनल पर सेवाएं बाधित हो गई हैं। शीर्ष अदालत के यूट्यूब चैनल पर सेवाएं शीघ्र ही पुन: आरंभ कर दी जाएंगी।''

मणिपुर के मंत्री के निजी सहायक का अपहरण

इंफाल/भाषा। मणिपुर के उपभोक्ता मामलों के मंत्री एल.सुसिंद्रो के निजी सहायक का अज्ञात लोगों ने पूर्वी इंफाल जिले में स्थित उनके आवास के नजदीक से शुक्रवार को कथित तौर पर अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

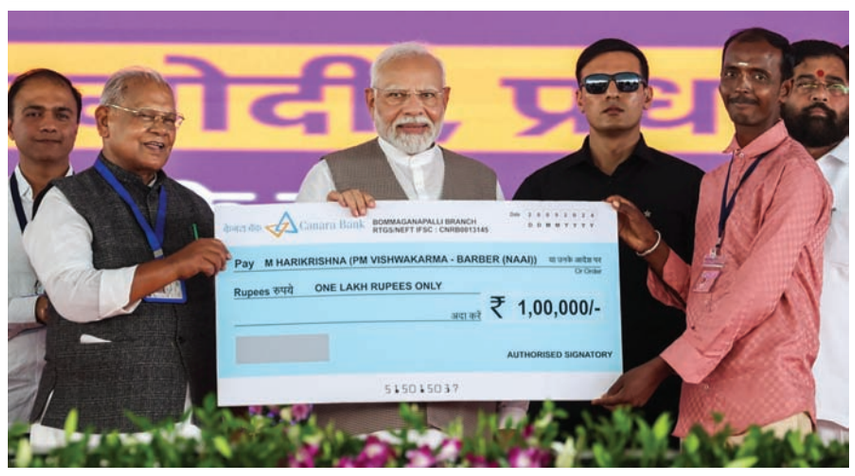

अमित शाह ने नक्सलियों से की हथियार छोड़ने की अपील, कार्रवाई की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की अपील की। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो उनके खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा।

शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले के 55 पीड़ितों को यहां अपने आवास पर संबोधित करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक माओवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश से नक्सली हिंसा और विचारधारा को मिटाने का फैसला किया है।

शाह ने कहा, ''मैं नक्सलियों से अपील करता हूं कि वे हिंसा छोड़ दें, हथियार डाल दें और आत्मसमर्पण कर दें जैसा कि पूर्वोत्तर के उग्रवादियों ने किया है। अगर आप मेरी बात नहीं मानते हैं तो इस खतरे को खत्म करने के लिए जल्द ही एक व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि नक्सलवाद मानवता और देश की आंतरिक सुरक्षा दोनों के लिए खतरा है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ अपने अभियानों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है और यह समस्या अब छत्तीसगढ़ के सिर्फ चार जिलों तक सीमित रह गई है।

अमित शाह ने कहा, ''केंद्र सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार की नीतियों के कारण वामपंथी उग्रवाद अब छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों तक ही सीमित रह गया है। उन्होंने कहा कि माओवादियों ने एक बार पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (आंध्र प्रदेश) तक गलियारा बनाने की साजिश रची थी, लेकिन मोदी सरकार ने उसे नाकाम कर दिया।

शाह ने कहा कि नक्सलियों के मानवाधिकारों की वकालत करने वाले लोगों को नक्सलवाद के कारण पीड़ित लोगों के मानवाधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए।

शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय जल्द राज्य सरकार के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के नक्सली हिंसा प्रभावित लोगों के लिए कल्याणकारी योजना तैयार करेगा। उन्होंने कहा, ''नौकरी, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों में कल्याणकारी कदमों के माध्यम से हम आपकी हरसंभव मदद करेंगे।''

कांग्रेस के अंदर देशभक्ति दम तोड़ चुकी है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वार्धा (महाराष्ट्र)/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की हाल की विदेश यात्रा में उनके विवादास्पद बयानों को लेकर कांग्रेस की तीखी आलोचना की और कहा कि आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं रह गयी है, इस पार्टी में देश भक्ति दम तोड़ चुकी और इस पर नफरत का भूत सवार हो चुका है।

मोदी संसद में नेता प्रतिपक्ष का नाम लिए बिना कहा कि आज कांग्रेस के नेता विदेश जा कर देश विरोधी एजेंडा चलाते हैं और भारतीय संस्कृत तथा यहां के लोगों की आस्था का अपमान करते हैं। मोदी कारीगरों की सहायता के लिए चल रहे केंद्र सरकार के विश्वकर्मा कार्यक्र पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि यहां वार्धा आश्रम महात्मा गांधी और आचार्य विनोबा भावे जैसे महापुरुषों की कार्यस्थली और सामाजिक प्रयोगशाला रही है।

प्रधानमंत्री कहा, आज जो कांग्रेस हम देख रहे हैं, ये वो कांग्रेस नहीं है जिससे कभी महात्मा गांधी जी जैसे महापुरुष जुड़े थे। आज की कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। आज की कांग्रेस में नफरत का भूत दाखिल हो गया है। उन्होंने गांधी की हाल की अमेरिका यात्रा में सिखपंथ के लोगों की भारत में स्थिति और अन्य मुद्दों पर उनके विवादास्पद बयानों तथा कथित तौर पर कुछ भारत विरोधी लोगों के साथ उनकी मुलाकातों की ओर संकेत करते हुए कहा, आप देखिए, आज कांग्रेस के लोगों की भाषा, उनकी बोली, विदेशी धरती पर जाकर उनके देशविरोधी एजेंडे, समाज को तोड़ना, देश को तोड़ने की बात करना, भारतीय संस्कृति और आस्था का अपमान करना, ये वो कांग्रेस है, जिसे टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल के लोग चला रहे हैं। मोदी ने कहा, आज देश की सबसे बेईमान और सबसे भ्रष्ट कोई पार्टी है, तो वह कांग्रेस पार्टी है। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कोई है, तो वो कांग्रेस का शाही परिवार है।

कुर्स्क में अभियान के दौरान 15,300 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों की मौत : रूस

कीव/एजेन्सी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने कुर्स्क क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में सैन्य अभियानों के दौरान 15,300 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों और 124 टैंकों को मार गिराया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यूक्रेन ने कुर्स्क क्षेत्र में लड़ाई के दौरान कुल मिलाकर 15,300 से अधिक सैनिक, 124 टैंक, 56 पैदल युद्ध वाहन, 93 बख्तरबंद कार्मिक वाहक, 780 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 471 वाहन, 115 तोपखाने, 28 मल्टीपल रॉकेट लांचर सहित सात अमेरिका निर्मित हिमार्स और छह एमएलआरएस खोये हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में, कीव ने कुर्स्क क्षेत्र में लड़ाई में 370 से अधिक सैनिकों को खो दिया है। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सैनिकों ने कुर्स्क क्षेत्र में जवाबी हमले किए, जिसमें यूक्रेनी सेना ने 30 लोगों को खो दिया। इसने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने कुर्स्क क्षेत्र में दो दिशाओं से रूसी सीमा का उल्लंघन करने के यूक्रेनी सैनिकों के चार प्रयासों को भी विफल कर दिया, जिसमें 60 यूक्रेनी सैनिक मारे गए।

हिज्बुल्ला ने इजराइल पर दागे 140 रॉकेट, जवाबी कार्यवाही में इजराइली सेना ने बेरूत में सैन्य अधिकारी को बनाया निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/बेरूत/एपी। हिज्बुल्ला ने शुक्रवार को उत्तरी इजराइल पर 140 से ज्यादा रॉकेट दागे जिसके जवाब में इजराइली सेना ने लेबनान के बेरूत में 'लक्षित हमले' किये और उग्रवादी संगठन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी इब्राहिम अकील को निशाना बनाया। एक इजराइली अधिकारी ने यह जानकारी दी।

लेबनानी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि अकील बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हुए इजराइली हमले में मारा गया या नहीं। इस हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए थे और 59 अन्य घायल हो गए थे। इजराइली अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर यह बात कही, क्योंकि वह पर्दे के पीछे के सुरक्षा मामले पर चर्चा कर रहे थे।

हिजबुल्ला आतंकवादी समूह के एक करीबी अधिकारी ने भी नाम गुप्त रखने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस' से पुष्टि की कि शुक्रवार को जब इमारत को निशाना बनाया गया तो अकील वहां मौजूद था। अधिकारी को मीडिया को जानकारी देने का अधिकार नहीं था। अधिकारी इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि अकील मारा गया है या नहीं।

अकील हिजबुल्ला की विशिष्ट रदवान फोर्स और समूह की सर्वोच्च सैन्य संस्था जिहाद काउंसिल के प्रमुख के रूप में कार्य कर चुका है। अमेरिकी विदेश विभाग ने 1983 में बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर बमबारी करने में कथित भूमिका के लिए अकील पर प्रतिबंध लगाया है, तथा यह भी आरोप है कि उसने लेबनान में अमेरिकी और जर्मन लोगों को बंधक बनाने का निर्देश दिया था तथा 1980 के दशक के दौरान उन्हें वहां बंधक बनाए रखा था।

बेरूत शहर से कुछ ही किलोमीटर दूर दहियाह में हमला व्यस्त समय के दौरान हुई, जब लोग काम से निकल रहे थे और छात्र स्कूल से घर जा रहे थे।

हिज्बुल्ला ने शुक्रवार सुबह उत्तरी इजराइल में 140 रॉकेट दागे। यह हमला आतंकवादी समूह के नेता हसन नसरल्लाह द्वारा इजराइल पर बड़े पैमाने पर बमबारी का बदला लेने की कसम खाने के एक दिन बाद हुआ। इजराइली सेना और आतंकवादी समूह ने यह जानकारी दी।

वाईएसआरसीपी ने लड्डू में मिलावटी घी का इस्तेमाल कर टीटीडी की पवित्रता भंग की: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। तिरुपति लड्डू विवाद को लेकर अपनी पार्टी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी वाईएसआरसीपी को निशाने पर रखते हुए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उसकी अगुवाई वाली पिछली सरकार ने प्रसाद के वास्ते सस्ती 'मिलावटी' घी खरीदकर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की पवित्रता भंग की। नायडू ने संकेत दिया कि वह इस मामले पर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने सवाल किया कि जब 'अक्षम्य अपराध' किये गये हैं तो क्या वह ऐसे लोगों को बख्श दें।

नायडू ने कहा कि लोग कह रहे हैं कि वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार के दौरान लड्डू (तिरुपति में भगवान बालाजी को चढ़ाया जाने वाला पवित्र प्रसाद) में इस्तेमाल घी में कथित मिलावट के कारण उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। प्रकाशम जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने सस्ते दामों पर घटिया घी खरीदकर लड्डू की गुणवत्ता प्रभावित की एवं तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की पवित्रता भंग की।

टीटीडी तिरुपति में लोकप्रिय श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करता है। इस मंदिर में सालभर लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। नायडू ने कहा, '' आज हमने घी आपूर्तिकर्ता बदल दिया। हम कर्नाटक से नंदिनी ब्रांड घी खरीदने लगे हैं। (तिरुपति लड्डुओं में मिलावटी घी और पशुचर्बी की उपस्थिति के आरोपों के बाद) लोग कह रहे हैं कि उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। जब भावनाएं आहत हुई हैं तो क्या मुझे उन्हें बख्श देना चाहिए, जबकि अक्षम्य अपराध किये गये हैं।'' उन्होंने कहा कि लोगों का अपने-अपने धर्म पर विश्वास होता है। शुक्रवार को टीटीडी ने प्रयोगशाला रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि घी में पशु चर्बी और 'लार्ड' (सूअर की चर्बी) की मौजूदगी का पता चला है।

टीटीडी के कार्यपालक अधिकारी जे श्यामल राव ने कहा कि प्रयोगशाला परीक्षणों में चुने गये नमूनों में पशुचर्बी और 'लार्ड' की मौजूदगी का खुलासा हुआ है और बोर्ड मिलावटी घी की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार को कालीसूची में डालने की कार्यवाही में जुटा है। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने घी में मिलावट के आरोपों को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि वह अपने 100 दिन के शासन से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

लड्डू विवाद: टीटीडी ने कहा, घी आपूर्तिकर्ताओं ने जांच सुविधाओं की कमी का फायदा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद में दिये जाने वाले लड्डुओं में 'पशु चर्बी' को लेकर उठे विवाद के बीच तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने शुक्रवार को कहा कि मंदिर निकाय को घी आपूर्ति करने वालों ने आंतरिक मिलावट जांच सुविधा की कमी का फायदा उठाया और बाहरी सुविधाओं का भी उपयोग नहीं किया।

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामल राव ने बताया कि प्रयोगशाला परीक्षणों में चयनित नमूनों में पशु चर्बी और लार्ड (सूअर की चर्बी) की मौजूदगी का पता चला है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के इस दावे कि लड्डू बनाने के लिए पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया, के बाद तिरुपति लड्डू (पवित्र प्रसाद) बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे घी की गुणवत्ता पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि घी की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा, गुणवत्ता की कमी का कारण आंतरिक प्रयोगशाला का न होना, नमूनों को परीक्षण के लिए बाहर की प्रयोगशालाओं में भेजना और अव्यवहारिक दरें हैं।

राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आपूर्तिकर्ताओं ने इन कमियों का फायदा उठाया।

टीटीडी इस लोकप्रिय पहाड़ी मंदिर का प्रबंधन करता है, जहां साल भर लाखों श्रद्धालु आते हैं।

राव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल किये जाने की शिकायत मिलने का जिक्र किया था।

इसके बाद, आपूर्तिकर्ताओं को खराब गुणवत्ता वाला घी उपलब्ध कराने पर काली सूची में डालने की चेतावनी दी गई। बाद में, घी से भरे चार ट्रकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं पाए जाने पर घी के नमूने जांच के लिए भेजे गए।

राव ने बताया कि प्रयोगशाला परीक्षण से पता चला कि नमूने में 'लार्ड' (सुअर की चर्बी) की भी मिलावट थी। उन्होंने कहा, चारों नमूनों की रिपोर्ट में एक जैसे नतीजे आए। इसलिए हमने तुरंत आपूर्ति रोक दी। ठेकेदार को काली सूची में डालने के साथ ही जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अब कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इस बीच चेन्नई में तिरुपति बालाजी मंदिर को घी की आपूर्ति करने वाली कंपनी 'आर डेरी' ने कहा कि उनके उत्पाद के नमूनों को अधिकारियों ने गुणवत्ता प्रमाणित करते हुए मंजूरी दी।

डिंडीगुल स्थित कंपनी के प्रवक्ताओं ने संवाददाताओं को बताया कि केवल जून और जुलाई माह के दौरान ही उन्होंने तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर को घी की आपूर्ति की थी।

यहां तक कि जब तिरुपति मंदिर को घी की आपूर्ति की गई थी, तो उसे विधिवत मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला रिपोर्ट के साथ भेजा गया था।

एक प्रवक्ता ने कहा, इसमें कोई भी विचलन नहीं हुआ है।

उनकी कंपनी उन कई विक्रेताओं में से एक थी, जिन्होंने टीटीडी को घी की आपूर्ति की थी और उनके साथ गुणवत्ता प्रमाणपत्र साझा किए गए थे।

प्रवक्ता ने कहा, हमारा घी अब तिरुपति मंदिर नहीं भेजा जा रहा है। हम नहीं भेजते। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद सभी स्थानों पर उपलब्ध हैं और इनकी गुणवत्ता की जांच की जा सकती है।

तिरुपति प्रसादम में पशु चर्बी मिलने की बात से 'व्यथित' हूं: पवन कल्याण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शुक्रवार को कहा कि वह तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी पाए जाने की बात से 'बहुत व्यथित' हैं और उनका सुझाव है कि मंदिरों से संबंधित मुद्दों पर विचार करने के लिए एक 'सनातन' राष्ट्रीय बोर्ड गठित किया जाए।

उनकी इस टिप्पणी से दो दिन पहले मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डुओं को बनाने में घटिया सामग्री एवं पशु चर्बी का उपयोग किया। कल्याण ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी (मछली का तेल, सूअर की चर्बी और बीफ चर्बी) मिलाए जाने की बात से हम सभी बहुत व्यथित हैं। वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा गठित टीटीडी बोर्ड को कई सवालों के जवाब देने होंगे।'' जनसेना पार्टी के प्रमुख (कल्याण) ने कहा कि देश में मंदिरों से संबंधित मुद्दों पर गौर करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षण बोर्ड' गठित करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय स्तर पर सभी नीति निर्माताओं, धार्मिक प्रमुखों, न्यायपालिका, नागरिकों और संबंधित क्षेत्रों के अन्य लोगों के बीच चर्चा हो।'' अभिनेता से नेता बने कल्याण ने कहा कि राज्य सरकार मिलावटी लड्डुओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कटिबद्ध है और यह मामला मंदिरों, उनकी जमीन और अन्य पारंपरिक अनुष्ठानों को कथित रूप से अपवित्र करने से जुड़े मुद्दों को सामने लाता है।

नायडू राजनीतिक लाभ के लिए भगवान का उपयोग कर रहे: लड्डू विवाद पर जगन ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने तिरुमला में घी में मिलावट के आरोपों को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि वह अपने 100 दिन के शासन से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। जगन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नायडू ऐसे व्यक्ति हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए भगवान का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''यह ध्यान भटकाने की राजनीति है। एक तरफ लोग चंद्रबाबू नायडू के 100 दिन के शासन को लेकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि उनके 'सुपर सिक्स' (चुनावी वादों) का क्या हुआ। लोगों का ध्यान भटकाने के लिए यह मनगढ़ंत कहानी रची जा रही है।'' उन्होंने कहा कि घी में मिलावट के आरोप अति गंभीर हैं। उन्होंने पूछा कि दुनिया भर में करोड़ों भक्तों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना क्या उचित है। जगन ने कहा कि सबूत के तौर पर प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट में जिन नमूनों, जांच और परिणाम का उल्लेख किया है, वे राजग सरकार में ही सामने आए। उन्होंने कहा कि हर छह महीने में घी आपूर्तिकर्ता का चयन करना तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की एक नियमित प्रक्रिया है जो दशकों से जारी है और इसमें कोई नई बात नहीं है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की बैठक के दौरान आरोप लगाया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए घटिया सामग्री एवं पशु की चर्बी का इस्तेमाल किया।

प्रियंका पर रीजीजू का पलटवार, संसदीय परंपराओं की याद दिलाई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह संसदीय परंपराओं और मानदंडों को नहीं समझती हैं। प्रियंका वाद्रा ने आरोप लगाया था कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र का जवाब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भाजपा के प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा के जरिये भिजवाना 82 वर्षीय खरगे का अपमान है। नड्डा ने पिछले दिनों खरगे की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राजनीति का 'असफल उत्पाद' (फेल्ड प्रोडक्ट) हैं और उन्हें महिमामंडित करना खरगे की मजबूरी है। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में मांग की थी कि प्रधानमंत्री को राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक और विवादित बयान देने वाले नेताओं पर कार्रवाई करनी चाहिए। प्रियंका पर पलटवार करते हुए संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री रीजीजू ने पोस्ट किया, ''मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष हैं और हम उनका सम्मान करते हैं। जेपी नड्डा जी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। क्या कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष भाजपा अध्यक्ष से ऊपर हैं? मल्लिकार्जुन जी राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं जबकि जेपी नड्डा जी राज्यसभा में सदन के नेता हैं।''

खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव से जोखिम की स्थिति: आरबीआई लेख

मुंबई/भाषा। समग्र खुदरा महंगाई के लगातार दूसरे महीने चार प्रतिशत से नीचे रहने के बावजूद खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव एक आकस्मिक जोखिम बना हुआ है। शुक्रवार को जारी रिजर्व बैंक के एक बुलेटिन में यह बात कही गई है। रिजर्व बैंक के सितंबर बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ रही है। मुद्रास्फीति में कमी की रफ्तार सुस्त होने से मौद्रिक नीति अधिकारियों के बीच सतर्कता बढ़ रही है। बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया है, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में लगातार दूसरे महीने रिजर्व बैंक के लक्ष्य से नीचे रही। लेकिन हाल के अनुभव को ध्यान में रखते हुए खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव एक आकस्मिक जोखिम बना हुआ है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम के लिखे इस लेख के मुताबिक, भारत में निजी खपत और सकल स्थिर निवेश मजबूत बना रहा और इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को शुद्ध निर्यात से भी समर्थन मिला।

हरियाणा में 'आप' के प्रचार अभियान में शामिल हुए केजरीवाल, कहा- पूरा राज्य चाहता है परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि हरियाणा में अगली सरकार उनकी पार्टी के समर्थन के बिना नहीं बन सकती। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि पूरा राज्य 'बदलाव' चाहता है।

हरियाणा में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रचार-अभियान में शामिल होते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग पांच अक्टूबर को होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर देंगे। केजरीवाल ने 'आप' की हरियाणा इकाई के प्रमुख सुशील गुप्ता के साथ यमुनानगर जिले के जगाधरी निर्वाचन क्षेत्र में अपनी पार्टी के उम्मीदवार आदर्श पाल के समर्थन में रोडशो किया। कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत विफल होने के बाद 'आप' हरियाणा में अपने दम पर चुनाव लड़ रही है। दोपहर में रोड शो के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पूरा हरियाणा इस बार बदलाव चाहता है। केजरीवाल ने कहा, आप को इतनी सीटें मिल रही हैं...मैंने यहां पहुंचने के बाद हिसाब लगाया...हमें इतनी सीटें मिल रही हैं कि हरियाणा में अगली सरकार 'आप' के समर्थन के बिना नहीं बन सकती। पूरे हरियाणा में पहली सीट जो हम जीतेंगे वह जगाधरी है। जगाधरी से 15 उम्मीदवारों मैदान में हैं। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा के लिए पांच अक्टूबर को चुनाव होंगे और मतों की गिनती आठ अक्टूबर को होगी।

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आप जहां भी जाते हैं, आपको पता चलता है कि लोग इन्हें गांवों, गलियों में घुसने नहीं देते। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में भाजपा के शासन में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और नशे की समस्या बढ़ गई है।

केजरीवाल ने कहा, भाजपा ने आपको क्या दिया? भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और आपके बच्चों को नशा। इसके अलावा कुछ नहीं।

नेशनल कांफ्रेंस के कारण जम्मू-कश्मीर को विवादित करार दिया गया: जी किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 को अस्तित्व में लाने के लिए शुक्रवार को नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि क्षेत्रीय पार्टी के कारण इस क्षेत्र को 'विवादित' करार दिया गया था।

रेड्डी ने नेशनल कांफ्रेंस पर व्यापक भ्रष्टाचार और सीमा पार आतंकवाद के बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का भी आरोप लगाया। केंद्र शासित प्रदेश के रियासी जिले के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, ''नेकां की वजह से जम्मू-कश्मीर को विवादित करार दिया गया। यह नेकां ही थी जिसने अनुच्छेद 370 को अस्तित्व में लाया और इसे यहां लागू किया।'' अनुच्छेद 370 को जम्मू कश्मीर में विभिन्न मुद्दों का मूल कारण बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''अनुच्छेद 370 ने लोगों को उनके अधिकारों से वंचित रखा और क्षेत्र में वंशवादी शासन कायम किया।'' भाजपा नीत केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। नेकां पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने कहा, ''अगर नेशनल कांफ्रेंस जैसी पार्टी सत्ता में नहीं होती तो जम्मू-कश्मीर ने भारत के अन्य राज्यों की तरह प्रगति की होती।'' उन्होंने नेकां पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया।

भाजपा अपनी 'नाकामियों' को छिपाने के लिए पाक का हौआ खड़ा कर रही : महबूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी 'नाकामियों' को छिपाने के लिए पाकिस्तान का हौआ खड़ी कर रही है। महबूबा मुफ्ती की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान पर आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि पीडीपी के साथ-साथ नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में पड़ोसी देश का एजेंडा लागू कर रहे हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरा मानना है कि भाजपा सभी मोर्चों पर नाकाम हुई है। उन्होंने दो करोड़ नौकरी हर साल देने की घोषणा की थी, इसका अभिप्राय है कि 10 साल में 20 करोड़ नौकरियां। हिंदू-मुस्लिम कराने में लगे रहे, मुस्लिमों की भीड़ द्वारा पीट पीटकर हत्या, मस्जिदों के ध्वस्तीकरण के बाद अब उनको पाकिस्तान याद आया है। वे इन मुद्दों को केवल अपनी नाकामी छिपाने के लिए उठा रहे हैं।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि अगर क्षेत्रीय दल पाकिस्तान का एजेंडा लागू कर रहे होते तो क्या जम्मू-कश्मीर देश का हिस्सा होता। उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि अगर अब्दुल्ला (नेशनल कांफ्रेंस) परिवार ने पाकिस्तान के एजेंडे को लागू किया होता तो जम्मू-कश्मीर भारत का नहीं पाकिस्तान का हिस्सा होता।''

सरकार ने 'विवाद से विश्वास 2.0' योजना शुरू करने की तारीख एक अक्टूबर अधिसूचित की

नई दिल्ली/भाषा। सरकार प्रत्यक्ष कर विवाद समाधान योजना 'विवाद से विश्वास 2.0' की शुरूआत एक अक्टूबर से करेगी। 'विवाद से विश्वास' योजना 2.0 की घोषणा मूल रूप से जुलाई में प्रस्तुत बजट 2024-25 में लंबित कुछ आयकर विवादों के समाधान के लिए की गई थी। वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा, '' केंद्र सरकार प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना 2024 को लागू करने की तारीख एक अक्टूबर 2024 तय करती है।'' करीब 35 लाख करोड़ रुपए की 2.7 करोड़ प्रत्यक्ष कर मांगों पर विभिन्न कानूनी मंचों पर विवाद जारी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि सरकार करों को सरल बनाने, करदाता सेवाओं में सुधार करने, कर निश्चितता प्रदान करने और राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ मुकदमेबाजी को कम करने के अपने प्रयास जारी रखेगी।

सरकार प्रत्यक्ष करों के तहत मामलों के लिए 'विवाद से विश्वास' योजना का पहला चरण 2020 में लाई थी। करीब एक लाख करदाताओं ने इस योजना का लाभ उठाया और सरकार को करीब 75,000 करोड़ रुपए का कर हासिल हुआ था।

हम पाकिस्तान के एजेंडे को कभी लागू नहीं करेंगे : फारूक

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी पार्टी कभी पाकिस्तान का एजेंडा लागू नहीं करेगी। अब्दुल्ला की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस जम्मू एवं कश्मीर में पड़ोसी देश के एजेंडे को लागू कर रही हैं। नेकां अध्यक्ष ने हजरतबल में संवाददाताओं से कहा, '' हम कभी पाकिस्तान का एजेंडा लागू नहीं करेंगे। यह खेदजनक है कि वे लोग हम पर पाकिस्तान का एजेंडा लागू करने का आरोप लगा रहे हैं। हम उनका क्या कर सकते हैं? '' फारूक अब्दुल्ला ने परोक्ष रूप से बारामूला के लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद का जिक्र करते हुए कहा कि जो लोग उनकी पार्टी पर पाकिस्तान का एजेंडा लागू करने का आरोप लगाते हैं, वे उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्हें पाकिस्तान से धन मिलता है। रशीद को इंजीनियर रशीद के नाम से जाना जाता है। नेकां और पीडीपी ने उन पर कश्मीर घाटी में वोटों को विभाजित करने के लिए भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ''वे खुद पाकिस्तान के एजेंट हैं। उन्होंने उन लोगों को रिहा कर दिया जो पाकिस्तान का राग अलापते थे, जो जनमत संग्रह चाहते थे, जो पाकिस्तान से पैसा लेकर आए थे, वे उनके साथ खड़े हैं। हमें एक भी ऐसा नेता दिखाइए जो पाकिस्तान के साथ था और हमारे साथ खड़ा है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA
BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

तेलंगाना में कांग्रेस के विधायक ने केंद्रीय मंत्री बिट्टू का सिर लाने वाले को जमीन देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक विधायक ने कथित तौर पर यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि वह केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का सिर लाने वाले को अपनी संपत्ति दे देंगे। राहुल गांधी के बारे में बिट्टू के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले खानापुर (सुरक्षित) से विधायक वेदमी बोज्जू ने कहा कि वह बिट्टू का सिर कलम करने वाले को अपनी जमीन देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने टीवी चैनलों से कहा, रवनीत बिट्टू को अपना बयान वापस लेना चाहिए। अगर वह वापस नहीं लेते हैं, तो मैं भी खानापुर से विधायक के तौर पर घोषणा कर रहा हूं। मैं अपने पिता की अर्जित की हुई एक एकड़ और 38 गुंटा भूमि उनका (बिट्टू) का सिर लाने वाले को दे दूंगा। मेरे पास यही संपत्ति है। मैं अपनी और मेरे पिता की संपत्ति (देने) की घोषणा कर रहा हूं।

भारत में सिखों की स्थिति से संबंधित टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रेल राज्य मंत्री बिट्टू ने रविवार को कहा था कि वह नंबर एक आतंकवादी हैं।

सिर कलम करने की तेलंगाना के एक कांग्रेस विधायक की मांग पर बिट्टू ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने तेलंगाना के कांग्रेस विधायक द्वारा कथित रूप से उनके सिर कलम करने की मांग के बाद विपक्षी दल को निशाने पर लिया और कहा कि यह पार्टी 1984 के सिख विरोधी दंगे के समय से अब तक नहीं बदली है। बिट्टू ने पोस्ट किया, ''1984 से 2024, कांग्रेस नहीं बदली है। तब उसने सिखों का खून मांगा था, आज भी वह वही मांग रही है। खरगे जी मोहब्बत की दुकान?'' भारत में सिखों की स्थिति के बारे में बयान को लेकर विपक्ष के नेता (गांधी) को आड़े हाथों लेते हुए रेलवे राज्य मंत्री बिट्टू ने कहा था कि यदि 'बम बनाने वाले' लोग उनका समर्थन कर रहे हैं तो वह 'नंबर वन' आतंकवादी हैं।

मैसूरु हवाई अड्डे पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने नागमंगला में सांप्रदायिक हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को मांड्या जिले के नागमंगला में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी कहा कि 11 सितंबर को नागमंगला की घटना में पुलिस की ''विफलता'' के बारे में पता चलने पर पुलिस उपाधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। राज्य में गणेश मूर्ति शोभा यात्रा और विसर्जन के दौरान हिंसा की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा, क्या आप जानते हैं कि वहां 60 हजार गणेश पंडाल थे और घटनाएं मात्र दो स्थानों नागमंगला और दावणगेरे में हुईं।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''दावणगेरे में केवल पथराव हुआ है, नागमंगला में दुकानों और वाहनों में आग लगा दी गई।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा भड़काने में लिप्त है, वे सांप्रदायिक हिंसा का कारण हैं, उनके उकसावे के कारण ही ये सब होता हैं।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि वह बेंगलूरु में भूमि की कथित अधिसूचना रद्द करने के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्रियों बी. एस. येडीयुरप्पा और एच. डी. कुमारस्वामी के खिलाफ लोकायुक्त की जांच में देरी के कारणों की पड़ताल करेंगे। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को लोकायुक्त से बेंगलूरु उत्तर के कसाबा होबली के गंगेनाहल्ली में 1.11 एकड़ भूमि को गैर अधिसूचित करने के संबंध में येडीयुरप्पा और कुमारस्वामी के खिलाफ जांच में तेजी लाने को कहा था। सिद्दरामय्या से पूर्व मुख्यमंत्रियों के खिलाफ अधिसूचना रद्द करने के मामले की जांच में लोकायुक्त द्वारा 2021 से हो रही देरी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''मैं जांच कर प्रतिक्रिया दूंगा...कल (मंत्री) कृष्णा बायरे गौड़ा, दिनेश गुंडू राव और संतोष लाड ने कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर इस पर एक संयुक्त पत्रकार वार्ता की थी। यह कुमारस्वामी और येडीयुरप्पा के कार्यकाल के दौरान हुआ था। मुझे दस्तावेज मंगवाकर जांचने होंगे।'' मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि इस वर्ष मैसूर दशहरा उत्सव का उद्घाटन करने के लिए प्रसिद्ध साहित्यकार हम्पा नागराजैया को चुना गया है। दशहरा उत्सव तीन से 12 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

दावणगेरे में गणपति जुलूस पर पथराव के बाद तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुए पथराव के बाद कर्नाटक के दावणगेरे में तनाव बढ़ गया। हालांकि पुलिस ने शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है। बेतुरु रोड पर गुरुवार देर रात हुई पथराव की घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) उमा प्रशांत स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। घायल पुलिसकर्मियों के नाम सर्किल इंस्पेक्टर गुरुबसवराज और पुलिस कांस्टेबल रघु है। कांग्रेस नेता और मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग पुलिस संग मिलकर लोगों से शांति बहाली की अपील कर रहे हैं। वहीं, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पुलिस रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने दावणगेरे शहर के संवेदनशील इलाकों में दुकानों और प्रतिष्ठानों को बंद करने को कहा है।

एसपी उमा प्रशांत ने कहा, गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटना की सूचना मिली थी, जिसमें एक पुलिस इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल घायल हो गए थे। स्थिति अब नियंत्रण में है। उपद्रवियों को पकड़ने के लिए कदम उठाए गए हैं। पुलिस विभाग डिप्टी कमिश्नर के साथ निषेधाज्ञा लागू करने पर चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा, घटना के लिए भड़काऊ भाषण जिम्मेदार है। एक समुदाय के नेताओं ने भड़काऊ बयान जारी किया था और दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया था। दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें दर्ज की गई हैं और इसके हिसाब से कार्रवाई शुरू की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि पथराव तब शुरू हुआ, जब गणेश प्रतिमा जुलूस आजाद नगर में दाखिल हुआ। शहर में तीन जगहों पर पथराव की सूचना मिली। हिंदू नेताओं ने नागमंगला शहर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव और ईद मिलाद के जश्न के दौरान फिलिस्तीनी झंडे लहराने को लेकर दो दिन पहले विरोध प्रदर्शन किया था। इसकी प्रतिक्रिया में एक मुस्लिम नेता ने हिंदुओं को बेतुर रोड से जुलूस निकालने की चुनौती दी थी।हिंदू नेता गुरुवार रात बेतुरु रोड पर जुलूस में हिस्सा ले रहे थे, तभी एक समूह ने धार्मिक नारे लगाते हुए पथराव किया। हालांकि, पुलिस ने समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया और आगे की जांच जारी है।

पथराव के बाद 30 लोग गिरफ्तार

दावणगेरे। जिला मुख्यालय के एक कस्बे में गणेश मूर्ति विसर्जन की शोभा यात्रा के दौरान पथराव की घटना के सिलसिले में 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में दो कांस्टेबल घायल हुए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार को शोभा यात्रा के चामराजपेट क्षेत्र के पास से गुजरते समय विवाद शुरू हुआ। कुछ लोगों ने नारे लगाए, जिसके कारण दो समूहों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद कुछ उपद्रवियों ने पथराव शुरू कर दिया, जिसमें दो कांस्टेबल घायल हो गए।

दावणगेरे की पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने तुरंत स्थिति को नियंत्रित कर लिया और गणेश मूर्ति का शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन कर दिया गया। पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए गए...। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में पांच मामले दर्ज किए गए और 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका-कर्नाटक के बीच 'सिस्टर सिटी' कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा : प्रियांक खरगे

मंत्री खरगे ने अमेरिकी राजदूत के साथ चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायत राज तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कर्नाटक और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए उन्होंने नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी के साथ चर्चा की। वे राष्ट्रीय राजधानी स्थित कर्नाटक भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री खरगे ने कहा, 'मैंने उनके सामने मुख्य रूप से 'सिस्टर सिटी' कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि नवाचारों और आविष्कारों के मामले में बेंगलूरु और सैन फ्रांसिस्को में कुछ समानताएं हैं।'

मंत्री ने कहा कि कर्नाटक में पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचारों को लागू करने, वहां की सीख का उपयोग करने, विशेष रूप से कर्नाटक में बढ़ रहे नवाचारों के लिए अमेरिका में बाजार को सिखाने की संभावनाओं की जांच करने के बारे में भी चर्चा हुई। प्रियांक खरगे ने पत्रकारों को बताया कि फिनटेक और एआई, सेमीकंडक्टर उत्पादन और बाजार के साथ एक कौशल गलियारा बनाने के बारे में बातचीत हुई। राजदूत एरिक गार्सेटी ने आश्वासन दिया कि प्राथमिकता के आधार पर बेंगलूरु में अमेरिकी दूतावास खोलने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। मंत्री खरगे ने यह भी कहा कि बेंगलूरु में दूतावास की स्थापना से कन्नड़िगाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि दूतावास खोलने के लिए कर्नाटक और बेंगलूरु हमारे लिए स्वाभाविक पसंद हैं, क्योंकि राज्य अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी केंद्र है। अमेरिका और कर्नाटक के बीच प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समानताएं हैं।

खरगे ने कहा कि राजदूत एरिक गार्सेटी की राय है कि कर्नाटक, भारत में पूंजी और व्यापार के लिए उपयुक्त है, क्योंकि यह विकास और एआई कौशल के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। राजदूत ने इस बात की भी सराहना की कि हमारा मानव संसाधन पूरी दुनिया के लिए एक मॉडल है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में दूतावास खोलने से अमेरिका और भारत को मदद मिलेगी।

मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने बेंगलूरु में दूतावास खोलने का जो संदेश दिया था, उसे अमेरिकी राजदूत तक पहुंचा दिया है।

विजयेंद्र ने दंगा घटनाओं की एनआईए जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि गद्दारों के खिलाफ राज्य की कांग्रेस सरकार का नरम रवैया शांति व्यवस्था को बिगाड़ रहा है। शुक्रवार को मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में नागमंगला, दावणगेरे और अन्य स्थानों पर हुए दंगों की पर्याप्त जांच नहीं की जा सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन घटनाओं की जांच एनआईए से कराने की मांग की। भाजपा कार्यालय में नागमंगला में हुए हिन्दुओं पर हमले के लिए तथ्यान्वेषी समिति के प्रमुख पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन.अश्वत्थनारायण के नेतृत्व में पूर्व मंत्री के.सी. नारायण गौड़ा, राज्य सचिव श्रीमती लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और पार्टी नेता भास्कर राव, मांड्या जिला प्रवक्ता सी.टी. मंजूनाथ ने यह रिपोर्ट भाजपा के जिला अध्यक्ष विजयेन्द्र को सौंपी।

अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति को किनारे रखें। उन्होंने मांग की कि सभी घटनाओं की जांच एनआईए से कराई जाए ताकि सभी समाज के लोग शांति से रह सकें और अल्पसंख्यकों द्वारा की जा रही पक्षपात की राजनीति को दूर किया जा सके। हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। यह सब कुछ पुलिस के सामने होने के बाद भी वे आंखें मूंदे रहे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसका कारण यह था कि उनके पास कोई अधिकार नहीं था। इन सभी मुद्दों को विपक्षी बीजेपी ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि वे इस पर चर्चा करने जा रहे हैं कि इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए, उन्होंने कहा कि राज्य में अराजकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक के बाद एक हादसे हो रहे हैं। नागमंगला में हुई त्रासदी के बाद, पांडवपुर में पुलिस ने अचानक एसोसिएशन के कार्यालय में घुसकर उनके साथ मारपीट की। यह घटना गुरुवार रात दावणगेरे में हुई। हिंदू युवाओं ने विरोध किया कि जब वे शांतिपूर्ण गणपति जुलूस निकाल रहे थे तो उन पर हमला किया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों को भी पत्थर लगे। दावणगेरे, नागमंगला समेत राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हो रही घटनाओं पर नजर डालें तो इस राज्य में चुनी हुई सरकार है; यह भूल गये कि राज्य में पुलिस व्यवस्था है। राज्य में सिद्दरामय्या की कांग्रेस सरकार है; परमेश्वर गृह मंत्री हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि गद्दारों में इतना साहस और विश्वास है कि राज्य सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रहेगी, जैसे कि हिंदुओं पर हमला कोई मामूली घटना हो।

राज्य के पवित्र क्षेत्रों के प्रसाद का भी परीक्षण किया जाए : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली/नई दिल्ली। तिरुपति मामले के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मांग की है कि राज्य सरकार को राज्य के सभी पवित्र स्थानों के चढ़ावे की जांच के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने तिरुपति प्रसाद मामले की व्यापक जांच करने और दोषियों को न्याय के दायरे में लाने की मांग की। मंत्री की राय है कि चूंकि तिरुमाला तिरुपति में प्रसादम में पशु वसा और मछली के तेल का उपयोग किया जाता है, इसलिए राज्य के पवित्र क्षेत्रों के प्रसादम का तुरंत परीक्षण करना बेहतर है।

हिंदुओं के पवित्र स्थल तिरुमाला तिरुपति में प्रसाद के लिए मवेशियों की चर्बी और मछली के तेल का उपयोग किया जाता था! जोशी ने गहरी चिंता व्यक्त की है कि इस तथ्य ने हिंदू समाज को चिंतित कर दिया है। मंत्री जोशी ने टिप्पणी की कि आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे हिंदू विरोधी कदमों का समर्थन किया था। इतना ही नहीं, जोशी ने यह भी आरोप लगाया कि जगन रेड्डी ने तिरुमाला तिरुपति में गैर-हिंदुओं को ट्रस्ट का सदस्य बनाया था। ऐसे विचार दोबारा नहीं आने चाहिए। उस संबंध में, उन्होंने सुझाव दिया कि नई सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और हमेशा सावधान रहना चाहिए।

आंध्र प्रदेश मामले से कर्नाटक को भी जागना चाहिए। मंत्री जोशी ने राज्य की कांग्रेस सरकार से सभी पवित्र क्षेत्रों के चढ़ावे का शीघ्र परीक्षण करने का आग्रह किया। धार्मिक ट्रस्टों में गैर-हिंदुओं की नियुक्ति न हो। मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सरकार से हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में गैर-हिंदुओं की नियुक्ति न करने की भी मांग की है।

भवानी रेवन्ना की अग्रिम जमानत के खिलाफ कर्नाटक की याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार की एक याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी, जिसमें अपहरण के एक मामले में जनता दल (एस) के निलंबित नेता और बलात्कार के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना की अग्रिम जमानत रद्द करने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने रेवन्ना की ओर से पेश अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन को मामले की स्थिति का विवरण देते हुए एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। श्रीनिवासन ने दलील दी कि मामले में आरोप पत्र दायर किया जा चुका है, अन्य आरोपियों को जमानत दे दी गई है और भवानी रेवन्ना ने जांच में सहयोग किया है।

पीठ ने कहा कि वह मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी। और उसने श्रीनिवासन को हलफनामा दाखिल करने को कहा। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। दस जुलाई को शीर्ष अदालत ने मामले में भवानी रेवन्ना को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया था और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली कर्नाटक सरकार की अपील पर भवानी से जवाब मांगा था। भवानी रेवन्ना पर आरोप है कि उन्होंने पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से रोकने की कोशिश की, जिसका कथित तौर पर उनके बेटे ने यौन शोषण किया था। प्रज्वल रेवन्ना कई महिलाओं का यौन शोषण करने के मामले में फिलहाल एसआईटी की हिरासत में है।

गगनयान पर सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए, बोइंग जैसी कोई और घटना नहीं होनी चाहिए : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शुक्रवार को कहा कि गगनयान साल के अंत तक प्रक्षेपण के लिए तैयार है, लेकिन इस पर सावधानी से आगे बढ़ना होगा। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में शामिल गगनयान भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है। सोमनाथ ने कहा, ''मैं नहीं चाहता कि बोइंग स्टारलाइनर के साथ जो हुआ वैसा कुछ दोबारा हो, इसलिए हमें बहुत सावधान रहना चाहिए।''

नासा के मिशन के तहत 5 जून को अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर गए बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान की पहली परीक्षण उड़ान 7 सितंबर को पृथ्वी पर लौट आई, लेकिन इसमें कोई अंतरिक्ष यात्री नहीं लौटा। अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अपने आठ दिवसीय प्रवास को आठ महीने तक बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा और अब उन्हें फरवरी में 'स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन' द्वारा लाया जाएगा।

सोमनाथ ने शुक्र ग्रह के अन्वेषण के महत्व पर भी बल दिया। शुक्र ग्रह के अन्वेषण के लिए 'वीनस ऑर्बिटर मिशन' (वीओएम) भी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित चार परियोजनाओं में से एक है और इसके लिए 1,236 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

सोमनाथ ने कहा, ''कल हो सकता है कि कुछ कारणों से पृथ्वी रहने लायक नहीं रहे। इसलिए यदि आप मंगल और शुक्र ग्रह पर क्या हो रहा है, इसका अध्ययन नहीं करेंगे तो संभवतः हमारी भावी पीढ़ी प्रभावित होगी। शुक्र ग्रह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत मंगल और चंद्रमा पर सफलतापूर्वक पहुंच चुका है।''

इसरो प्रमुख के अनुसार, 'अगली पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) विकसित करने में सात साल लगेंगे। इस प्रक्षेपण यान को इसरो द्वारा वर्तमान में संचालित प्रणालियों को बदलने के लिए बनाया जा रहा है। चूंकि शुक्र मिशन को मार्च 2028 में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है, इसलिए इसे मौजूदा प्रक्षेपण यानों से ही प्रक्षेपित किया जाएगा।' सोमनाथ ने कहा, ''रूस, चीन और जापान भी 2030 तक शुक्र ग्रह पर मिशन भेजने वाले हैं। इसलिए, 2028 तक, हमने 'लॉन्च व्हीकल मार्क-3' या एलवीएम-3 से अपना शुक्र मिशन प्रक्षेपित करने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''यद्यपि शुक्र हमारा निकटतम ग्रह है, फिर भी यह अधिक चुनौतीपूर्ण है।'' सोमनाथ ने 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, ''हालांकि हम पहले मंगल ग्रह पर गए थे, जो थोड़ा दूर है, वहीं शुक्र ग्रह करीब है, लेकिन यह मंगल ग्रह से ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि शुक्र के वायुमंडल में पृथ्वी के मुकाबले 100 गुना ज्यादा दबाव है।'' शुक्र मिशन, मंगल मिशन के बाद भारत का दूसरा अंतरग्रहीय मिशन होगा। मंगल मिशन 5 नवंबर 2013 को प्रक्षेपित किया गया था और इसने 24 सितंबर 2014 को मंगल की कक्षा में प्रवेश किया था। सोमनाथ ने स्पेस एक्सपो की बढ़ती लोकप्रियता के साथ-साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश के लिए स्टार्टअप द्वारा दिखाई जा रही रुचि पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

सम्मान

मैसूरु में पीआर थिप्पेस्वामी फाउंडेशन और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित पी.आर. थिप्पेस्वामी जन्म शताब्दी समापन समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया और पुरस्कार वितरित किए। इस मौके पर समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा, गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एचएम रेवन्ना, कोप्पला विश्वविद्यालय के चांसलर बीके रवि, फाउंडेशन के सचिव पत्रकार रुद्रन्ना हरथिकोटे और कई महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे।

ज्ञापन

वोक्कालिगा समुदाय के मंत्रियों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की और पूर्व मंत्री मुनिरत्ना के मामलों की जांच के लिए पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाने का अनुरोध सौंपा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
चतुर्थ तल, बंगला साहिब मार्ग, काली मंदिर के पीछे
गोल मार्केट, नई दिल्ली-110001
AADHAAR

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु में अनुभाग अधिकारी के पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) के आधार पर भरने हेतु रिक्ति परिपत्र।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण अपने क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु में 7 वें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स लेवल -8 में अनुभाग अधिकारी के एक पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) के आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निदेशक (मानव संसाधन), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय, तृतीय तल, साउथ विंग, खनिजा भवन, 49, रेस कोर्स रोड, बेंगलुरु - 560001 को भेजा जा सकता है। सभी तरह से पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 8.10.2024 है। चूंकि ये रिक्तियाँ प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरी जानी है, अतः गैर-सरकारी अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के बाद या अधूरे पाये गए आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट https://uidai.gov.in/images/VC_40_2024.pdf पर उपलब्ध हैं।

निदेशक (मा. सं.)

आधार नामांकन और अपडेट सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है।
नज़दीकी केंद्रों की जानकारी के लिए UIDAI.GOV.IN पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।

CBC 54103/11/0061/2425

जनजाति उत्थान और आंचलिक विकास का बेहतर स्वरूप दर्शाने के लिए समर्पित भाव से निभाएं दायित्व : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जनजातियों के सर्वांगीण उत्थान के लिए जागरुकता और शैक्षिक विकास की भूमिका को अहम बताते हुए बुनियादी शिक्षा में सुधार तथा प्राथमिक शिक्षा को बेहतर स्वरूप प्रदान करने की आवश्यकता जताई ।इसके लिए शिक्षा विभाग को सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने शुक्रवार को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कांफ्रेंस हॉल में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। राज्यपाल ने आंचलिक विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन में सम्पूर्ण सफलता अर्जित करने पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए शत-प्रतिशत लक्ष्यों को पूरा करते हुए यह अच्छी तरह सुनिश्चित किया जाए कि कोई घर स्वच्छ शौचालय से वंचित न रहे और घर-घर इनकी उपयोगिता की उपलब्धि सामने आए।

राज्यपाल ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए लोक कल्याणकारी गतिविधियों और क्षेत्रीय विकास कार्यों में रफ्तार लाने के निर्देश देते हुए केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिकाधिक पात्रजनों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के शेष रहे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, जल जीवन मिशन की गतिविधियों के बेहतर संपादन, सौर ऊर्जा से संबंधित कार्यों में तेजी लाने, सॉयल हैल्थ कार्ड योजना में काश्तकारों की अधिकाधिक भागीदारी बढ़ाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में किसानों में जागरुकता संचार, राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बेहतर क्रियान्वयन, गुजरात सीमा से सटे होने की वजह से उद्यान विकास गतिविधियों के प्रति किसानों को प्रेरित करने, आदि के निर्देश प्रदान किए। राज्यपाल ने आद्याशक्ति से संबंधित अभियान, साक्षरता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम सहित तमाम अभियानों और कार्यक्रमों के बेहतर संपादन एवं उपलब्धिमूलक क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों से कहा कि वे विद्यालयों में बनने वाले पोषाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर फोकस करते हुए इनसे संबंधित कार्यों की जांच के लिए नियमित निरीक्षणों पर जोर दें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को पौष्टिक आहार मिलता रहे।

उन्होंने पशुपालन गतिविधियों पर ध्यान देते हुए दुग्ध उत्पादन में अभिवृद्धि के सार्थक प्रयास करने और दुग्ध उत्पादक पशुपालकों का जीवनस्तर सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने किसानों और पशुपालकों के आर्थिक विकास को जनजाति उत्थान का सशक्त माध्यम बताते हुए इनसे संबंधित गतिविधियों पर फोकस करने के लिए भी कहा और विश्वास जताया कि इनसे शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक उन्नयन को अच्छा सम्बल प्राप्त होगा।

जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने जिले की योजनाओं और कार्यक्रमों तथा सम सामयिक विकास गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की येजनाओं और कार्यक्रमों की उपलब्धियों तथा गतिविधियों की प्रगति से अवगत कराया।

डिंपल मीणा कांड : जनप्रतिनिधियों ने सीबीआई जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मूक-बधिर बालिका डिंपल मीणा की हत्या मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग को लेकर कई जनप्रतिनिधियों ने शुक्रवार को कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से मुलाकात की। करौली जिले में 10 साल की बच्ची डिंपल की इस साल की शुरुआत में कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस जांच से असंतुष्ट समाज के लोगों ने मीणा से मामले को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष उठाने और मामले की सीबीआई जांच की मांग करने को कहा। मीणा ने कहा कि समाज के लोगों और जनप्रतिनिधियों का मानना है कि मामले में पुलिस द्वारा की गई जांच आधी-अधूरी है। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर उनके समक्ष इसे मामले को रखेंगे। उन्होंने कहा कि जब समाज का हर व्यक्ति सीबीआई जांच की मांग कर रहा है तो इसकी सिफारिश की जानी चाहिए ताकि सारा मामला स्पष्ट हो सके।

पुलिस ने इस मामले में लड़की के माता-पिता और मामा को गिरफ्तार किया है। बृहस्पतिवार को किरोड़ी लाल मीणा ने इस मामले को लेकर करौली में पुलिस-प्रशासन और संघर्ष समिति से जुड़े लोगों से बातचीत की। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, करौली-धौलपुर से सांसद भजनलाल जाटव, टोंक से सांसद हरिश्चंद्र मीणा, विधायक इंदिरा मीणा और लाखन मीणा मंत्री किरोड़ी लाल से मिलने पहुंचे और इस मामले को लेकर चर्चा की। राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने कहा कि डिंपल हत्याकांड को लेकर जयपुर में शहीद स्मारक पर लगातार धरना चल रहा है और लोगों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि लोग पुलिस जांच से संतुष्ट नहीं है और मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मई में 10 वर्षीय मूक-बधिर डिंपल मीणा अधजली हालत में मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसको जहर दिए जाने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने उसके मामा और माता-पिता को जहर देकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

इंडिया गेट के सेंट्रल विस्टा में महकेगी राजस्थानी खाने की महक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास और केंद्र सरकार के प्रमुख दफ्तरों से घिरे सेंट्रल विस्टा में अब राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध व्यंजनों के स्वाद और जायके से महकेगा। इंडिया गेट के नजदीक चिल्ड्रन पार्क के सामने स्थापित फूड कोर्ट में शुक्रवार को ढोल, नगाड़े एवं राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ रंगारंग आगाज के साथ राजस्थान पर्यटन विकास निगम द्वारा राजस्थानी फूड शॉप का शुभारंभ किया गया। निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती सुशमा अरोड़ा ने रिबन काटकर फूड शॉप का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती अरोड़ा ने कहा कि हम इस फूड कोर्ट के माध्यम से राजस्थान के असली जायके से दुनिया को रूबरू करवाएंगे। यह फूड कोर्ट दिल्ली में राजस्थान के आतिथ्य एवं संस्कृति को सहजता से आम जनमानस तक पहुंचाने में कारगर साबित होगा। उन्होंने बताया कि आर.टी.डी.सी. द्वारा आयोजित इस फूड शॉप पर भोजन की क्वालिटी और सर्विस का विशेश ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर निगम के कार्यकारी निदेशक राजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

उद्घाटन अवसर पर कार्यकारी निदेशक शेखावत ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे प्रयासों को तीव्र गति प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होने कहा कि सोशल वेलफेयर के नाते आरटीडीसी द्वारा समय पर नवाचार किये जाते रहे है, चाहे वो मिडवे कंसेप्ट हो या दुनियां की सबसे लग्जरी ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स। उन्होंने कहा कि हम निरंतर ऐसे प्रयासों से राजस्थान सरकार के विजन ''राइजिंग राजस्थान'' को वृहद और व्यापक कर सकेंगे। इस अवसर पर आर.टी.डी.सी. के दिल्ली कार्यालय के प्रभारी दौलत सिंह ने बताया कि इंडिया गेट पर दक्षिण की ओर स्थित शॉप न. 8 पर राजस्थानी फूड काउन्टर में प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक जोधपुर के मिर्ची बड़े, प्याज कचोरी, कोटा हींग दाल की कचोरी, जयपुरी समोसा, राजवाड़ा कोफ्ता, पुश्करी ब्रेड पकोड़ा, पुश्करी मालपुवा, मावा कचोरी, जयपुरी राजभोग, गुलाबजामुन, जोधपुरी दूध के लड्डू, जयपुरी घेवर, अलवरी मिल्क केक, मोतीचूर के लड्डू, माखनिया लस्सी, मसाला चाय सहित राजथानी व्यंजनों का स्वाद उचित दरों पर ले सकते हैं।

इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उद्घाटन समारोह में राजस्थान सरकार के दिल्ली स्थित कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित आगंतुक भी उपस्थित थे।

नेहरू के समय से ही कांग्रेस आरक्षण के विरोध में रही है : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/जयपुर। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने राहुल गांधी द्वारा आरक्षण के मुद्दे पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर शुक्रवार को निशाना साधते हुए दावा किया कि विपक्षी पार्टी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से ही आरक्षण के खिलाफ रही है। बैरवा ने गांधीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि राहुल गांधी की पार्टी ने अपने राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमेशा संवैधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग किया है और कल्याणकारी उद्देश्यों की उपेक्षा की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी हाल की यात्रा के दौरान जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से कहा था कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे। उन्होंने कहा था, फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। बैरवा ने कहा, हाल में अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि उनकी पार्टी सत्ता में आने के बाद आरक्षण हटा देगी। गांधी वही राग अलाप रहे हैं जो उनकी पार्टी जवाहरलाल नेहरू के समय से कहती रही है। इतिहास पर नजर डालिए।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने इस देश पर लगभग 57 साल तक शासन किया और उसने अपने राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए हमेशा संवैधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग किया तथा कल्याणकारी उद्देश्यों की उपेक्षा की। उन्होंने दावा किया कि नेहरू सरकार ने 1956 में काका कालेलकर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था जिसमें पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की सिफारिश की गई थी। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू ने 1961 में सभी मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में कहा था कि आरक्षण से उत्पादकता में कमी आएगी। नेहरू ने 1952 और 1954 के चुनाव में डॉ. बीआर आंबेडकर को हराने के लिए उनके राजनीतिक और सामाजिक करियर को भी खत्म करने की कोशिश की थी।

बैरवा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस क्षेत्र के अनुसूचित जाति के लोगों को न्याय दिया है। उन्होंने कहा कि यह मोदी ही हैं जिन्होंने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) को संवैधानिक दर्जा दिया। बैरवा ने कहा, इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू न करके ओबीसी समुदाय को आरक्षण देने में देरी की। 1985 में राजीव गांधी ने भी मंडल आयोग की सिफारिशों पर आपत्ति जताई थी और मुसलमानों के लिए आरक्षण की वकालत की थी, जो आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के खिलाफ था।

'असफल' ऑपरेशन के बाद राजस्थान की प्रशासनिक अधिकारी की अहमदाबाद में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के एक अस्पताल में ऑपरेशन के बाद तबीयत बिगड़ने के कारण अहमदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती 33 वर्षीय उपमंडलीय मजिस्ट्रेट की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की अधिकारी प्रियंका बिश्नोई को पेट में दर्द हुआ था और चिकित्सकीय जांच में उनके गर्भाशय में एक गांठ का पता चला था। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रियंका की पांच सितंबर को जोधपुर के एक निजी अस्पताल में हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने की सर्जरी) की गई। एक अधिकारी ने बताया कि छह सितंबर को प्रियंका की हालत बिगड़ने के बाद उनके परिवार ने उन्हें अगले दिन अहमदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया।

उन्होंने बताया कि प्रियंका का अस्पताल में 13 दिन तक इलाज किया गया लेकिन बुधवार देर रात उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि प्रियंका के परिवार ने जोधपुर अस्पताल के चिकित्सकों पर ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद लोगों ने प्रदर्शन किए और बिश्नोई समुदाय के लोगों समेत कुछ लोग जोधपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के बाहर एकत्र हुए। उन्होंने आरोपी चिकित्सक एवं अस्पताल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की मांग की। अधिकारी ने कहा, हमने उन्हें बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार,गठित टीम की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही पुलिस मामला दर्ज कर सकती है। इसके बाद शव ले जाने पर सहमति बनी और करीब साढ़े चार घंटे बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

इसके बाद प्रियंका के परिजन और बिश्नोई समाज के लोग शव को अंतिम संस्कार के लिए फलोदी के सुरपुरा ले गए। इस बीच, लोगों का गुस्सा देखते हुए जोधपुर अस्पताल और उसके निदेशक के आवास पर भी देर रात सुरक्षा बढ़ा दी गई।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में है सुशासन का राज : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह, गौपालन एवं पशुपालन राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों से प्रदेश में सुशासन आया है तथा अपराधियों के विरूद्ध निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। राजस्थान को अपराध मुक्त बनाने का कार्य जारी है। गृह राज्यमंत्री बेढम ने शुक्रवार को श्रीगंगानगर जिले की टांटिया यूनिवर्सिटी में जनसेवा हॉस्पिटल व अन्य संस्थानों का अवलोकन करने के पश्चात यह बात कही।

इससे पूर्व राज्यमंत्री द्वारा जन सेवा हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना के लाभार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें मिलने वाले उपचार व सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मनाये जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत आयुष्मान भारत तथा स्वच्छता पखवाड़ा जैसे कार्यक्रमों का भली प्रकार से संचालन किया जा रहा है। चिकित्सालय में आने वाले रोगियों को मात्र 10 रूपये में उपचार की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने बुजुर्गों और विशेष योग्यजनों से भी बातचीत कर संस्था द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों को सराहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संगठित अपराध करने वाले लोगों व गैंगस्टर के विरूद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए गये हैं। उसी के अनुरूप अपराधी राज्य छोडकर भाग रहे हैं। उन्होंने गत वर्षो में हुए पेपर लीक प्रकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि इस प्रकार के अपराध में सम्मलित दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। गंगानगर के अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगे होने के कारण कानून व्यवस्था पर पूरी निगरानी रखी जा रही है तथा नशे के विरूद्ध भी निरन्तर प्रभावी कार्यवाही हो रही है। गैर सामाजिक गतिविधियों में सम्मिलित किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जायेगा। इसके पश्चात आयोजित कार्यक्रम में नर्सिंग विद्यार्थियों को संबोधित कर उन्होंने सेवा पखवाड़े और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गौमाता की पूजा और चारा खिलाकर संस्था परिसर में पौधारोपण भी किया।

अपने काम से विभाग की छवि को बनाएं सकारात्मक : शुचि त्यागी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की शासन सचिव एवं आयुक्त श्रीमती शुचि त्यागी ने आज प्रदेश भर के प्रादेशिक परिवहन अधिकारियों (आरटीओ) की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। बैठक में शासन सचिव ने सभी अधिकारियों को अनुशासित होने के साथ विभागीय पेंडेंसी खत्म कर कामकाज में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के सख़्ती से पालन करने और आमजन को भी जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नियमों की पालना से विभाग की छवि सकारात्मक बनाएं। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आमजन के विभागीय कार्यों में कोई विलंब ना हो।

परिवहन भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली बैठक में श्रीमती त्यागी ने कहा कि सभी उच्चाधिकारियों का स्वयं अनुशासित होना जरूरी है जिससे उनके अधीन सभी संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी अनुशासित होने की प्रेरणा लें। उन्होंने सभी कार्यालयों को साफ सुथरे, स्वच्छ और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए ताकि कार्य करने का अच्छा माहौल मिल सके।

उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग आमजन से जुड़ा महत्वपूर्ण विभाग है। विभागीय अधिकारियों के प्रभावी नेतृत्व के साथ टीमवर्क के रूप में कार्य आमजन को राहत पहुंचाएगा। उन्होंने विभाग के दो महत्वपूर्ण सारथी एवं वाहन पोर्टल पर प्रत्येक स्तर पर पेंडेंसी को जल्द से जल्द खत्म करने के निर्देश भी दिए।

शासन सचिव ने सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों के प्रभावी रूप से पालन के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के ज्यादातर मामलों में वाहन के फिटनेस, गलत साइड से वाहन आने या क्षमता से अधिक सवारी होने के कारण होती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में किसी भी जनहानि से पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है।

राजस्थान में अगले दो हफ्ते कई स्थानों पर बारिश की संभावना

जयपुर। राजस्थान में बारिश का दौर अभी जारी रहने की संभावना है और अगले दो हफ्तों में राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार चक्रवाती परिसंचरण के कारण अगले 24 घंटों में भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर व कोटा संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके बाद राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आने तथा पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में 21 सितंबर से मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। केवल छुटपुट स्थानों पर ही हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 27 सितंबर से शुरू होने वाले हफ्ते के दौरान राज्य के पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

चित्तौड़गढ़ के एक गांव में पाषाण युग की शैल चित्रकारी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इतिहासकारों को चित्तौड़गढ़ जिले के एक गांव में हाल ही में पाषाण युग की शैल चित्रकारी और नुकीली कलाकृतियों के साक्ष्य मिले हैं जो इस इलाके में प्राचीन मानव इतिहास पर नई रोशनी डाल सकते हैं। इतिहासकारों का कहना है कि आलनिया नदी से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह पाषाण युग की नक्काशी के केंद्र के रूप में हाड़ौती और चित्तौड़गढ़ के प्रागैतिहासिक महत्व को बढ़ाने वाला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले सप्ताह, तीन स्थानीय लोगों को रावतभाटा के अमरपुरा गांव के पास घने जंगली इलाके में एक चट्टान पर असामान्य निशान मिले। सूचना मिलने के बाद, कोटा में 'महर्षि हिस्ट्री इंस्टीट्यू' के इतिहासकार तेज सिंह अपनी टीम के साथ उस जगह पर पहुंचे।

उन्होंने वहां चट्टानों पर कप के आकार की नक्काशी और एक मोर्टार ओखली मिली जिसका उपयोग संभवतः शुरुआती मनुष्यों द्वारा भोजन पीसने के लिए किया जाता था। सिंह ने बताया कि चट्टानों पर कप के निशान, गोलाकार निशान प्रारंभिक पाषाण युग के लोगों की विशेषता हैं, जो संभवतः 35,000 से 200,000 साल पुराने हैं।

सिंह के अनुसार यह राजस्थान में मानव निवास का सबसे पुराना साक्ष्य हो सकता है। उन्होंने इस स्थान की तुलना 2003 में की गई इसी तरह की खोज से की जो यहां से सिर्फ 200 मीटर दूर है। इस जगह मिले 2.4 किलोग्राम वजनी मोर्टार ओखली और नुकीले पत्थरों से लगता है कि शुरुआती निवासियों ने जंगली अनाज, मेवे और फलियां पकाने के लिए इन उपकरणों का इस्तेमाल किया होगा।

उन्होंने बताया कि इन साक्ष्यों व निष्कर्षों को आगे की जांच पड़ताल के लिए जोधपुर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और पुरातत्व व संग्रहालय विभाग (डीएएम) के साथ साझा किया गया है। डीएएम के पूर्व अधीक्षक पुरातत्वविद जफरुल्लाह खान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाड़ौती तथा पड़ोसी मध्य प्रदेश का मालवा क्षेत्र पाषाण युग के मानव बस्तियों के प्रमुख केंद्र थे।

खान ने कहा, यह खोज आलनिया और चंबल नदियों के किनारे की पिछली खोजों से मेल खाती है। उन्होंने सरकार से इस क्षेत्र का संरक्षण करने और प्रारंभिक मानव जीवन के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर उत्खनन प्रयास शुरू करने का आह्वान किया। यूनेस्को के अनुसार, चंबल घाटी और मध्य भारत दुनिया भर में पाषाण युगीन कला स्थलों के सबसे बड़े ज्ञात केंद्रों में से हैं।

जीवन पर्यंत मूल्यों और आदर्शों के लिए लड़ते रहे महंत दिग्विजयनाथ : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि गोरक्षपीठ को साधना स्थली बनाकर सनातन धर्म के परिपूर्ण स्वरूप के अनुरूप आचरण करने वाले युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महराज आजीवन भारतीयता के मूल्यों और आदर्शों के लिए लड़ते रहे।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी के बताए मूल्यों और आदर्शों ने भारतीयता के नवनिर्माण, पूर्वी उत्तर प्रदेश और गोरखपुर में सुसंस्कृत समाज की नींव रखी। उनके विचारों और उनके कृतित्वों से हमें आज भी निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में गोरक्षपीठ में साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया है।

योगी ने इस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गोरक्षपीठ के उनके पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था।

योगी आदित्यनाथ के गुरु गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ थे, जबकि महंत अवैद्यनाथ के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महराज थे।

मुख्यमंत्री ने अपने गुरु और अपने पितामह गुरु की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने धर्म को केवल उपासना विधि नहीं माना, बल्कि भारतीय मनीषा में धर्म के जिस स्वरूप की बात कही गई है, उसके अनुरूप जीवन जिया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभ्य और समर्थ समाज के लिए पहली आवश्यकता शिक्षा होती है। इसी उद्देश्य को समझते हुए महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। यह काम धनोपार्जन के लिए नहीं बल्कि लोक कल्याण के लिए किया गया।

द्वितीयक कृषि में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की क्षमता : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि द्वितीयक कृषि (सेकेंडरी एग्रीकल्चर) ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकती है और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से अपशिष्ट को संपदा में बदलने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने यहां आईसीएआर-राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान (एनआईएसए) के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा, ''द्वितीयक कृषि में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की क्षमता है। आईसीएआर को किसानों की आय बढ़ाने के इस लक्ष्य की दिशा में काम करना चाहिए।'' भारतीय लाख की निर्यात क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि देश के कुल लाख उत्पादन में झारखंड की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा, ''भारत के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक लाख उत्पादन झारखंड में होता है। भारत में लाख का उत्पादन मुख्य रूप से जनजातीय समाज द्वारा किया जाता है। यह जनजातीय समाज की आय का एक महत्वपूर्ण साधन है।'' मुर्मू ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की भूमि पर आना उनके लिए तीर्थयात्रा जैसा लगता है। उनका कहना था, ''मेरा झारखंड से विशेष लगाव है। भगवान बिरसा मुंडा की पवित्र धरती झारखंड आना मेरे लिए तीर्थ यात्रा के समान है। यहां के लोगों से मुझे बहुत स्नेह मिलता है। राज्यपाल के तौर पर मैंने कई वर्ष यहां जनसेवा का कार्य किया है।'' इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और संजय सेठ मौजूद थे।

संसाधनों की कमी से प्रभावित अयोध्या मस्जिद ट्रस्ट ने समितियां भंग की

लखनऊ/भाषा। अयोध्या में धन्नीपुर मस्जिद के निर्माण कार्य की देखरेख के लिए सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा गठित 'इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन' (आईआईसीएफ) ने मस्जिद के विकास के लिए बनी एक समिति समेत चार समितियों को भंग कर दिया है। फाउंडेशन, मस्जिद निर्माण परियोजना के लिए धन जुटाने में तेजी लाने की संभावना तलाश रहा है क्योंकि यह परियोजना धन की कमी से प्रभावित हुई है। आईआईसीएफ के मुख्य न्यासी और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जुफर फारुकी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 19 सितंबर को हुई आईआईसीएफ की बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह बैठक फारुकी की अध्यक्षता में हुई थी। आईआईसीएफ के सदस्यों ने कहा कि अब उनका ध्यान बेहतर समन्वय स्थापित करने और विदेशी अंशदान (नियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत आवश्यक मंजूरियां हासिल करने की प्रक्रिया तेज करने पर है जिसके बाद ट्रस्ट विदेशों से चंदा प्राप्त करने में समर्थ होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश ने हवाई सर्वेक्षण करके गंगा में जलस्तर बढ़ने से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना और वैशाली जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण उत्पन्न स्थिति का हवाई सर्वेक्षण करके जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार नीतीश ने निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जल संसाधन विभाग पूरी तरह मुस्तैद रहे और लगातार निगरानी करता रहे। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पूरी सहायता उपलब्ध करायी जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसओपी के अनुसार सभी जिलों एवं संबद्ध विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं जिसका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार तथा मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार उपस्थित थे।

जल संसाधन विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि उदेरास्थान बांध से 53,945 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण पटना जिले के पंडारक और फतुहा प्रखंड के इलाके में धनायन नदी के बाएं तट पर स्थित बरुआने जमींदारी बांध और सिरपतपुर बांध का कुछ हिस्सा बुधवार की रात क्षतिग्रस्त हो गया जिससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

बयान में कहा गया है, ''इसी तरह नालंदा जिले के हिलसा प्रखंड में दो छोटे बांध, जो बहुत ही जर्जर स्थिति में थे, क्षतिग्रस्त हो गए जिससे जमुआर और धुरी बिगहा गांवों के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।''

बीएसएफ ने मिजोरम में 40 करोड़ रुपए मूल्य की नशीली गोलियां जब्त कीं

आइजोल/भाषा। सीमा सुरक्षा बल ने मिजोरम में भारत-बांग्लादेश सीमा पर करीब 40 करोड़ रुपए मूल्य की 'याबा' नामक दवा की चार लाख गोलियां जब्त की हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने राज्य सरकार की 'स्पेशन नारकोटिक्स पुलिस' के साथ संयुक्त अभियान चलाया और आइजोल जिले के सेलिंग कस्बे में राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर एक ट्रक को रोका। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, उन्हें विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर रोका गया। ट्रक चालक के केबिन की छत से कुल 40 पैकेट बरामद किए गए, जिनमें चार लाख मेथमफेटामाइन की गोलियां (याबा) थीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 40 करोड़ रुपए आंकी गई है।

भारत को 2047 तक खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाने का लक्ष्य : मांडविया

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत के विजन' के अंतर्गत देश का लक्ष्य खेलों की दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना है। उन्होंने कान्हा शांति वनम में 'राइजिंग विद काइंडनेस' पर अंतरराष्ट्रीय युवा संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना है। उन्होंने कहा, ''देश के विकास के लिए अगले 25 वर्षों के 'विजन' के लिए हमने खेलों के लिए भी एक 'विजन' बनाया है कि भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना है।''

खेल मंत्री ने कहा कि जब भारत 2047 तक विकसित देश बन जाएगा तो हमारा लक्ष्य खेल में देश को दुनिया के शीर्ष पांच में शामिल करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने खेलो इंडिया समेत एक 'इकोसिस्टम' बनाया है, स्टेडियम बनाए हैं, टॉप्स जैसी योजनाएं और कीर्ति (खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन) जैसी परियोजनाएं बनाई हैं जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की स्कूल स्तर पर ही पहचान की जाती है और उन्हें ट्रेनिंग दी जाती है और साथ ही केंद्र सरकार उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए उनके खर्च वहन कर रही है। मांडविया ने कहा कि इस साल का बजट शत प्रतिशत युवाओं पर केंद्रित है जिसमें दो लाख करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय है।

बंगाल के कनिष्ठ डॉक्टरों ने 'काम बंद' समाप्त किया, आज से आंशिक रूप से काम पर लौटेंगे

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या की घटना को लेकर आंदोलन कर रहे कनिष्ठ डॉक्टरों ने शुक्रवार को अपना 'काम बंद' वापस ले लिया और शनिवार से सरकारी अस्पतालों में आवश्यक सेवाएं देने के लिए आंशिक रूप से ड्यूटी पर लौटने की घोषणा की। डॉक्टरों ने 42 दिनों से जारी गतिरोध को समाप्त करते हुए राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय से सॉल्ट लेक स्थित सीबीआई कार्यालय तक मार्च निकालने के बाद हड़ताल वापस ले ली। वे स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय पर एक हफ्ते से अधिक समय से प्रदर्शन कर रहे थे। जुलूस 'स्वास्थ्य भवन' से शुरू हुआ और चार किलोमीटर की दूरी तय करके सीजीओ कॉम्प्लेक्स पर समाप्त हुआ। डॉक्टरों ने कहा है कि वे बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में काम नहीं करेंगे, लेकिन आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं में आंशिक रूप से काम करेंगे। आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मद्देनजर चिकित्सकों ने 'काम बंद' का ऐलान किया था और राज्य स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए थे।

चौथी संतान भी बेटी होने से क्षुब्ध पिता ने की उसकी हत्या

इटावा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के एक गांव में तीन बेटियों के बाद चौथी बेटी का जन्म होने से क्षुब्ध पिता ने एक माह की बच्ची की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि जिले के थाना भर्थना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चंद्रपुरा में बबलू कुमार दिवाकर ने चौथी संतान भी बेटी होने से खिन्न होकर रविवार को नशे की हालत में एक माह की बच्ची को उसकी मां की गोद से छीनकर जमीन पर पटक दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बबलू की पत्नी दीपू की शिकायत के आधार पर बबलू के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया। वर्मा ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बबलू को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि बबलू की दो शादी हुई हैं, उसकी पहली पत्नी से दो बेटियां थीं और पहली पत्नी की मृत्यु के उपरांत उसने दूसरी शादी दीपू के साथ की। उन्होंने बताया कि दीपू से भी पहली संतान बेटी पैदा हुई। तीन बेटियां होने के बाद चौथी बेटी का जन्म हाल ही में हुआ तो इससे बबलू खिन्न रहने लगा था और शराब पीने लगा था।

बंगाल बाढ़: ममता ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा, डीवीसी के साथ समझौतों को तोड़ने की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा कि राज्य सरकार दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ सभी समझौतों को रद्द कर देगी क्योंकि निगम द्वारा एक तरफा ढंग से पानी छोड़ने के परिणामस्वरूप दक्षिण बंगाल के जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मोदी को लिखे चार पन्ने के पत्र में उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण बंगाल में 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से व्यापक तबाही से निपटने के लिए केंद्रीय निधि से तुरंत राशि जारी करने का अनुरोध किया।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'चुनौती' दी कि मुख्यमंत्री डीवीसी से समझौता तोड़ने की चेतावनी पर अमल करके दिखाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ममता बनर्जी डीवीसी से समझौता तोड़ती हैं तो दक्षिण बंगाल के सात जिले अंधेरे में डूब जाएंगे। मुख्यमंत्री ने लिखा, ''मैं आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करना चाहूंती हूं कि डीवीसी के स्वामित्व और रखरखाव वाले मैथन और पंचेत बांधों की संयुक्त प्रणाली से लगभग पांच लाख क्यूसेक पानी अभूतपूर्व, अनियोजित और एकतरफा तरीके से छोड़ा गया जिसकी वजह से दक्षिण बंगाल के सभी जिले विनाशकारी बाढ़ में डूब गए हैं। इससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।''

ममता बनर्जी ने लिखा, ''यदि यह एकतरफा दृष्टिकोण जारी रहा, जिससे मेरे राज्य के लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है तो हमारे पास डीवीसी से पूरी तरह से अलग होने और अपनी भागीदारी वापस लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। हम साल दर साल अपने लोगों के साथ इस अन्याय को जारी नहीं रहने दे सकते।''

उन्होंने दावा किया कि बाढ़ से पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, बांकुड़ा, हावड़ा, हुगली, पूर्व मेदिनीपुर और पश्चिम मेदिनीपुर जिले प्रभावित हैं। बनर्जी ने कहा, ''राज्य के लोअर दामोदर और आसपास के इलाके 2009 के बाद सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। 1,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र प्रभावित है और राज्य के लगभग 50 लाख लोग फसलों के नुकसान, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और घरों, मवेशियों सहित निजी संपत्तियों के नुकसान के कारण दुखों के भंवर में फंस गए हैं... मैं इसे मानव निर्मित बाढ़ कहने के लिए मजबूर हूं।''

टी20 विश्व कप में भारत को यूएई में समान परिस्थितियों से फायदा मिलेगा : मिताली राज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि तीन अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिलाओं के टी20 विश्व कप में भारत को अन्य टीमों के मुकाबले फायदा मिलेगा क्योंकि यूएई के हालात घरेलू मैदान जैसे ही हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण इसे यूएई के दुबई और शारजाह में कराने का फैसला किया।

मिताली ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''यूएई की परिस्थितियां भी काफी समान हैं इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारी टीम को फायदा मिलेगा।'' पर पूर्व बल्लेबाज ने आत्ममुग्धता से बचने की हिदायत दी क्योंकि प्रत्येक टीम टूर्नामेंट के लिए पूरी तैयारी के साथ पहुंचेगी। उन्होंने कहा, ''लेकिन विश्व कप का मतलब है कि प्रत्येक टीम तैयारी के साथ पहुंचेगी।'' आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय महिला टीम को अभी अपना पहला वैश्विक खिताब जीतना बाकी है। मिताली ने कहा, ''भारतीय महिला टीम ने अभी तक अंडर-19 विश्व कप के अलावा कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं निश्चित रूप से चाहूंगी कि टीम अच्छा करे क्योंकि जब हम विश्व कप में जाते हैं तो हर किसी की तरह हम भी अपनी टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं।'' भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज चार अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

तेज गेंदबाजों ने बनाया दबदबा, बांग्लादेश पर 308 रन की हुई बढ़त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने दो मैचों की शृंखला के शुरुआती टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां बांग्लादेश की पहली पारी को सस्ते में समेटने के बाद दूसरी पारी में तीन विकेट पर 81 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 308 रन कर ली।

बुमराह की शानदार गेंदबाजी का बांग्लादेश के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 50 रन देकर चार विकेट चटकाये। बुमराह को मोहम्मद सिराज (30 रन पर दो विकेट), आकाश दीप (19 रन पर दो विकेट) और रविंद्र जडेजा (19 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। भारत की पहली पारी में 376 रन के जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी महज 149 रन पर सिमट गयी। भारत ने पहली पारी 227 रन की बड़ी

हासिल की। भारत की दूसरी पारी में भी हालांकि शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान रोहित शर्मा (पांच) और यशस्वी जायसवाल (10) टीम के 28 रन तक पवेलियन लौट गये। रोहित तस्कीन अहमद की ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर बल्ला अड़ाकर गली क्षेत्र में जाकिर हसन को कैच थमा बैठे। जायसवाल को नाहिद राणा की गेंद पर ऑफ ड्राइव लगाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। गिल और विराट कोहली (17) ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। गिल ने इस दौरान कुछ शानदार चौके जड़े। राणा की गेंद पर कवर क्षेत्र में लगाया गया उनका चौका दर्शनीय था। कोहली हालांकि क्रीज पर समय बिताने के बाद मेहदी हसन मिराज की गेंद पर पगबाधा हो गये।

बुमराह ने शानदार लय में चल रहे शदमन इस्लाम को अपनी चतुराई से आउट किया। उन्होंने राउंड द विकेट गेंदबाजी करने के बाद ओवर द विकेट गेंदबाजी की लेकिन गेंद की लाइन लेंथ में बदलाव किये बिना कोण को बदला जिससे बांग्लादेश का यह सलामी बल्लेबाज सामंजस्य नहीं बैठा पाया। उन्होंने इसके बाद मुशफिकुर रहीम, तस्कीन और हसन महमूद को चलता किया।

मैच में शतकीय पारी खेलने वाले रविचंद्रन अश्विन कोई विकेट नहीं ले सके।

बांग्लादेश को सबसे ज्यादा निराशा लिटन दास (42 गेंद में 22 रन) और शाकिब अल हसन (64 गेंद में 32 रन) से हुई। इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट आक्रामक शॉट खेलकर गंवा दिये। दोनों ने छठे विकेट के लिए 94 गेंद में 51 रन की साझेदारी की।

पहले दबाव से तनाव में आ जाता था लेकिन अब चेहरे में मुस्कान के साथ खेलता हूं : अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। रविचंद्रन अश्विन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने खुद को बाहरी और आंतरिक दबाव से मुक्त कर लिया है और अब वह चेहरे पर मुस्कान के साथ क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

अश्विन ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के पहले दिन जोरदार शतक जमाकर भारत को संकट से उबारा। उन्होंने इस दौरान रविंद्र जडेजा के साथ सातवें विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी कराई। इस 38 साल के खिलाड़ी ने अपनी परिपक्व बल्लेबाजी से यह साबित कर दिया कि वह दबाव की परिस्थितियों से निपटने में पूरी से सक्षम हैं और अब उन्होंने मैच के दौरान किसी चीज पर प्रतिक्रिया देना बंद कर दिया। अश्विन ने मैच के दूसरे दिन के खेल के बाद बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं दबाव का लुत्फ उठाता हूं। इसमें कोई संदेह नहीं है। यह आपको सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने और प्रतिक्रिया देने मौका देता है। मैं हालांकि अतीत में ऐसी परिस्थितियों में खुद को और दूसरों को लेकर आलोचनात्मक हो जाता था। मैं खुद पर काफी दबाव डाल देता था।'' उन्होंने कहा, '' मैंने हमेशा दबाव का डटकर सामना किया। मैंने अपने प्रदर्शन या संवाददाता सम्मेलन में इसका माकूल जवाब दिया है। अब हालांकि मैं काफी बदल गया है। मैं चेहरे पर मुस्कान के साथ क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैंने खुद से चार-पांच साल पहले वादा किया था कि मैं किसी को प्रतिक्रिया नहीं दूंगा और मैं अब ठीक से इसका पालन कर रहा हूं।'' चेन्नई के इस खिलाड़ी ने कहा उन्होंने तीन वर्षों में अपनी बल्लेबाजी पर काफी ध्यान दिया है ताकि टीम में अधिक योगदान दे सकें।

सुविचार

कामयाब होना है तो एक बात गांठ बाँध लो, पाँव भले ही फिसल जाए लेकिन जुबान कभी नहीं फिसलनी चाहिए!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे रुके पलायन?

अखिल भारतीय किसान संघों के महासंघ (एफएआईएफए) ने 'कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति से युवाओं का खेती से पलायन रोकने में मदद मिलने' संबंधी जो बयान दिया है, वह भविष्य को लेकर उम्मीदें जगाने वाला है। सरकार को इस दिशा में और गंभीरता से काम करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं का पलायन एक कड़वी सच्चाई है। ऐसा कई दशकों से हो रहा है। साल-दर-साल शहरों पर आबादी का दबाव बढ़ रहा है, जबकि गांव खाली हो रहे हैं। गांवों से पलायन के पीछे कुछ 'मान्यताएं' और उनसे जुड़े खास कारण हैं। न जाने कहां से यह सोच घर कर गई कि शहर जाने का मतलब है- 'उन्नति'! बेशक शहर जाने के बाद कुछ लोग बहुत 'उन्नति' करते हैं, लेकिन ज्यादातर आबादी के लिए वहां ज़िंदगीभर 'संघर्ष' की स्थिति ही बनी रहती है। प्राय: उन्नति को कमाई से जोड़कर देखा जाता है। आज कई लोग गांवों में रहकर हर महीने लाखों रुपए कमा रहे हैं। क्या उनकी सफलता को उन्नति नहीं माना जाएगा? वास्तव में इस धारणा को बदलने की जरूरत है कि गांव छोड़कर शहर जाने से ही व्यक्ति सफल कहलाता है। अगर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, अच्छी कमाई, तनावरहित जीवन, रोजाना की भागमभाग से मुक्ति जैसी सहूलियतें गांव में ही मिल जाएं तो वहां रहना ज़िंदगी का बेहतरीन फैसला होगा। गांव से युवाओं के शहर जाने के पीछे प्रमुख कारण हैं- पढ़ाई और रोजगार। अगर स्कूली शिक्षा गांव में अच्छी मिल जाए और उच्च शिक्षा के लिए नजदीकी कस्बे में पर्याप्त इंतजाम हो जाएं तो शहरों पर दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। प्राय: ग्रामीण क्षेत्र के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहर जाते हैं। वहां वे कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेते हैं। युवाओं को स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई के बाद भी कोचिंग लेने की जरूरत क्यों होनी चाहिए, यह एक बड़ा मुद्दा है।

हर साल जयपुर, सीकर, कोटा, दिल्ली, इलाहाबाद, पटना जैसे शहरों में हजारों विद्यार्थी कोचिंग लेने आते हैं। एक छोटे-से कमरे का भारी-भरकम किराया और तमाम तरह के शुल्क चुकाते हुए ये बच्चे सुनहरे भविष्य के ख्वाब देखते रहते हैं। ये जिन हालात में रहते हैं, अगर एक बार कोई स्नेह जताकर पूछ ले तो इनकी आंखें छलछला जाएंगी। कोचिंग फीस, मकान किराया, चाय-पानी, खाना, परिवहन जैसी जरूरतों पर सालभर में लाखों रुपए खर्च हो जाते हैं। इस पर भी तनावग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है! कोटा से हर साल दिल दहला देने वाली खबरें आती हैं। हाल में दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई थी। उससे पहले एक अभ्यर्थी की मौत करंट लगने से हो गई थी। जब हादसे होते हैं तो प्रशासन कुछ सख्ती दिखाता है, लेकिन कुछ दिन बाद सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। ऑनलाइन कोचिंग ऐसी कई समस्याओं का समाधान कर सकती है। कुछ शिक्षक इस माध्यम से बहुत अच्छी तैयारी करवा रहे हैं। इसका असर दिखने लगा है। उक्त शहरों में हजारों रुपए देकर किराए पर रहने वाले कई युवा अपने गांव लौट रहे हैं और वहां घर से ही ऑनलाइन कोचिंग ले रहे हैं। सरकार को भी चाहिए कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विभिन्न विषयों की तैयारी करवाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाए। उस पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री होगी तो युवा उससे जरूर जुड़ेंगे और उसके लिए सहर्ष सहयोग राशि भी देंगे। इससे शहरों की ओर पलायन रुकेगा। इसके साथ गांवों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बहुत गंभीरता से काम करने की जरूरत है। एक तरफ इजराइल जैसा देश है, जो वैज्ञानिक विधियों से खेती करते हुए खुशहाली के नए कीर्तिमान रच रहा है, जबकि उसके पास न ज्यादा जमीन है और न वह बहुत उपजाऊ थी। वहीं, भारत के पास जमीन की कोई कमी नहीं है, काम करने वाले हाथ भी खूब हैं, लेकिन गांवों में बच्चों को 'चेतावनी' दी जाती है कि पढ़-लिखकर कुछ बन जाओ, वरना ज़िंदगीभर खेत में काम करना होगा! इस सोच को बदलना चाहिए। खेती करना, अन्न उपजाना देश की प्रगति में योगदान देना है। इस पर गौरवान्वित होना चाहिए। खेती अच्छी होगी तो देश खुशहाल होगा। अब कई युवा कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर खेती कर रहे हैं और लोगों की सोच बदल रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है। खेती की उपज को ग्राहकों तक पहुंचाने में इंटरनेट महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अगर युवाओं को खेती से फायदा होगा तो पलायन निश्चित रूप से रुकेगा।

ट्वीटर टॉक

नक्सलवाद की एक ही विचारधारा है - विध्वंस और हिंसा। ह्यूमन राइट्स की आड़ में अपने लिए ही संवेदना बटोरना नक्सलियों की रणनीति रही है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हिंसा के शिकार इन लोगों के जख्म नक्सलवाद की अमानवीयता और क्रूरता के जीवंत प्रतीक हैं।

-अमित शाह

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रथम महिला अध्यक्ष डॉ. एनी बेसेंट जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। वे न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थीं, बल्कि एक समाज सुधारक और भारतीय संस्कृति की प्रबल समर्थक भी थीं।

-गोविंद सिंह डोटासरा

अखिल भारतीय परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जयंती पर शत-शत नमन। उनके महान विचार और शिक्षाएं हम सभी को सदैव सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेंगी।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

निर्भीक कर्तव्यनिष्ठा

डॉ. अंबेडकर बड़ौदा राज्य में मिलिट्री सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त थे। एक दिन वे अपने कार्यालय में बैठे थे, तभी एक पेशकार (क्लर्क) उनके पास आया। उसने डॉ. अंबेडकर को एक फाइल दी और कहा कि उस पर हस्ताक्षर करने हैं। डॉ. अंबेडकर ने फाइल को ध्यान से पढ़ा और पाया कि उसमें कुछ गलतियां थीं। उन्होंने पेशकार से कहा कि वह फाइल में सुधार करके लाए। पेशकार ने कहा कि यह फाइल महाराजा सयाजीराव गायकवाड ने भेजी है और उन्होंने इसे जल्द से जल्द वापस मंगवाया है। डॉ. अंबेडकर ने शांति से कहा, 'मुझे पता है कि यह फाइल महाराजा की है, लेकिन इसमें गलतियां हैं। मैं गलत फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकता। आप इसे सुधार कर लाइए।' पेशकार ने चेतावनी दी कि ऐसा करने से महाराजा नाराज हो सकते हैं। डॉ. अंबेडकर ने दृढ़ता से कहा, 'मुझे अपने कर्तव्य से ज्यादा किसी की नाराजगी की चिंता नहीं है। मैं सही काम करूंगा, चाहे परिणाम कुछ भी हो।' अंततः फाइल में सुधार किया गया और महाराजा ने न केवल इसे स्वीकार किया, बल्कि डॉ. अंबेडकर की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा भी की।

सामयिक

दुनिया में अमनचैन, अयुद्ध एवं शांति का उजाला हो

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस सभी देशों और लोगों के बीच स्वतंत्रता, अहिंसा, सह-जीवन, शांति और खुशी का एक आदर्श संकल्प माना जाता है। यह दिवस मुख्य रूप से पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। किंतु यह काफ़ी निराशाजनक है कि आज इंसान दिन-प्रतिदिन इस शांति से दूर होता जा रहा है। आज चारों तरफ़ फैली राष्ट्रों की महत्वाकांक्षाएं एवं बाज़ारवाद ने शांति को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो विश्व शांति का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन इसको अमल में लाने वालों की संख्या बेहद कम होती जा रही है।

इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना होगा है। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस-2024 की थीम है शांति की संस्कृति का विकास। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा शांति की संस्कृति पर घोषणा और कार्यक्रम को अपनाए जाने की 25वीं वर्षगांठ है ।आज दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से शांति खतरे में हैं। रूस-युक्रेन और इस्राइल-गाजा का लम्बे दौर से चल रहा युद्ध शांति की बड़ी बाधा है। युद्धों का मानव जीवन, पर्यावरण एवं विकास पर सबसे घातक असर पड़ रहा है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बन रहा हैं जो शांतिपूर्ण जीवन को संभव नहीं होने देता। दुनिया में अनेक ऐसे विध्वंसक देश हैं, जो आतंकवाद, युद्ध एवं पडोसी देशों में अशांति फैलाने की राहों को चुनते हुए अपनी बर्बादी के साथ अन्य देशों में अशांति की कहानी लिख रहे हैं। पाकिस्तानी नेतृत्व ने भारत में आतंकवाद फैला कर लिखी अपनी बर्बादी की दास्तां, जिसे अब उसकी खुद की जनता झेल रही है। भारत शांतिप्रिय देश है, वह खुद शांति चाहता है और दुनिया में शांति की स्थापना के लिये निरन्तर प्रयत्नशील रहा है। शांति, अहिंसा, अयुद्ध एवं अमनचैन की भारत की नीतियों को देर से ही सही दुनिया ने स्वीकारा है। भारत की ऐसी ही मानवतावादी एवं सहजीवन की भावना को बल देने के कारण ही दुनिया एक गुरु के रूप में भारत को सम्मान देने लगी है। भारत आतंकवाद, हिंसा-युद्धयुक्त संसार और विस्तारवाद की भूख के खिलाफ जो सवाल उठाता रहा है, उसे अनेक देशों में न सिर्फ विचार के लिए जरूरी समझा जाने लगा है, बल्कि अब उन पर स्पष्ट रुख भी अख्तियार किया जा रहा है। शांति का उजाला फैलाने के उद्देश्य से विश्व शांति दिवस की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। इस दिवस को कोरा आयोजनात्मक न मनाया जाकर प्रयोजनात्मक रूप से मनाने की आवश्यकता है। सम्पूर्ण विश्व में शांति कायम करना आज संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को रोकने और शांति की संस्कृति विकसित करने के लिए ही यूएन का जन्म हुआ है। संघर्ष, आतंक और अशांति के इस दौर में अमन की अहमियत का प्रचार-प्रसार करना बेहद ज़रूरी और प्रासंगिक हो गया है। इसलिए संयुक्त राष्ट्रसंघ, उसकी तमाम संस्थाएँ, गैर-सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी और राष्ट्रीय सरकारें प्रतिवर्ष शांति दिवस का आयोजन करती हैं। शांति का संदेश दुनिया के कोने-कोने में पहुँचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात हस्तियों को शांतिदूत भी नियुक्त कर रखा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन दशक पहले यह दिन सभी देशों और उनके निवासियों में शांतिपूर्ण विचारों को सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित किया था।

पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने विश्व में शांति और अमन स्थापित करने के लिए पाँच मूल मंत्र दिए थे, इन्हें पंचशील के सिद्धांत भी कहा जाता है। ये पंचसूत्र मानव कल्याण तथा विश्व शांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के पाँच आधारभूत सिद्धांत हैं। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाँच सिद्धांत निहित हैं-एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना। एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्रवाई न करना। एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना। समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना। शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना। भारत पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व शांति, अहिंसा एवं युद्धमुक्त विश्व संरचना के लिये प्रयासरत है। यूक्रेन-रूस एवं इस्राइल-गाजा में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत शांति प्रयास करने में जुटा है। एकमात्र भारत ही ऐसा देश है जो अपने आध्यात्मिक तेज एवं अहिंसा की शक्ति से मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति दे सकता।

विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में हर देश में जगह-जगह सफ़ेद रंग के कबूतरों को उड़ाया जाता है, जो कहीं ना कहीं भारत के शांति के ही सिद्धांतों को दुनिया तक फैलाते हैं। इन कबूतरों को उड़ाने के पीछे एक शायर का निम्न शेर बहुत ही विचारणीय है-लेकर चलें हम पैगाम भाईचारे का, ताकि व्यर्थ ख़ून न बहे किसी वतन के रखवाले का। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक चालों से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो-समान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता। आज सैन्य साजो-सामान एवं हथियार उद्योग विश्व में बड़े उद्योग के तौर पर उभरा है। आतंकवाद को अलग-अलग स्तर पर फैलाकर विकसित देश इससे निपटने के हथियार बेचते हैं और इसके जरिये अकूत संपत्ति जमा करते हैं। हाल ही में यूक्रेन-रूस, इस्राइल-गाजा अफ़ग़ानिस्तान, ईरान और इराक जैसे देशों में हुए युद्धों एवं पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद को विशेषज्ञ हथियार माफियाओं के लिए एक फायदे का मेला मानते रहे हैं। उनके अनुसार दुनिया में भय और आतंक का माहौल खड़ा करके ही सैन्य सामान बेचने वाले देश अपनी चांदी कर रहे हैं।

बात केवल रूस-यूक्रेन युद्ध की ही नहीं है बल्कि देश के भीतर घटित हिंसा के ताण्डव की भी है। जबकि अहिंसा सबसे ताकतवर हथियार है, बशर्ते कि इसमें पूरी ईमानदारी बरती जाए। लेकिन विभिन्न देशों में तरह-तरह के धार्मिक-साम्प्रदायिक आन्दोलन हो या ऐसे ही अन्य राजनैतिक आन्दोलन, उनमें हिंसा का होना गहन चिन्ता का कारण बना है। हिंसा, नक्सलवाद और आतंकवाद की स्थितियों ने जीवन में अस्थिरता एवं भय व्याप्त कर रखा है। अहिंसा की इस पवित्र भारत भूमि में हिंसा का तांडव सोचनीय है। महावीर, बुद्ध, गांधी एवं आचार्य तुलसी के देश में हिंसा को अपने स्वार्थपूर्ति का हथियार बनाना गंभीर चिंता का विषय है। इस जटिल माहौल में विशेष उपक्रमों के माध्यम से अहिंसक जीवनशैली और उसके प्रशिक्षण का उपक्रम और विभिन्न धर्म, जाति, वर्ग, संप्रदाय के लोगों के बीच संपर्क अभियान चलाकर उन्हें अहिंसक एवं शांतिवादी बनने को प्रेरित किया जाना न केवल प्रासंगिक है, बल्कि राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जीवन की बड़ी आवश्यकता है। इन प्रयत्नों से ही विश्व की महाशक्तियों एवं उनकी हिंसक मानसिकता पर व्यापक प्रभाव स्थापित किया जा सकता है।

आज प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। शांति ही उन्नत एवं आदर्श जीवन का आधार है। मानव कल्याण की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। भाषा, संस्कृति, पहनावे भिन्न-भिन्न हो सकते हैं, लेकिन विश्व के कल्याण का मार्ग एक ही है और शांतिपूर्ण सह-जीवन। बशीर बद्र का शेर है कि सात संदूक़ों में भर कर दफ़्न कर दो नफ़रतें, आज इंसाँ को मोहब्बत की ज़रूरत है बहुत।' मनुष्य को नफरत का मार्ग छोड़कर प्रेम के मार्ग पर चलना चाहिए। इस सदी में विश्व में फैली अशांति और हिंसा को देखते हुए हाल के सालों में शांति कायम करना मुश्किल ही लगता है, किंतु उम्मीद पर ही दुनिया कायम है और यही उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही वह दिन आएगा, जब हर तरफ शांति ही शांति होगी। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते।

नजरिया

न्यूज चैनलों पर बयानों की मारधाड़ : प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता आज भी कायम

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश में कुकुरमुत्तों की तरह न्यूज़ चैनलों की बाढ़ सी आ गई है। इन चैनलों पर प्रतिदिन देश में घटित मुख्य घटनाओं और नेताओं की बयानबाजी पर टीका टिप्पणियों को देखा और सुना जा सकता है। राजनीतिक पार्टियों के चयनित प्रवक्ता और कथित विशेषज्ञ इन सियासी बहसों में अपनी अपनी पार्टियों का पक्ष रखते है। न्यूज़ चैनलों पर इन दिनों जिस प्रकार के आरोप प्रत्यारोप और नफरती बोल सुने जा रहे है उससे लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ते देखा जा सकता है। बड़े बड़े और धमाकेदार शीर्षकों वाली इन बहसों को सुनकर किसी मारधाड़ वाली फिल्मों की यादें जाग्रत हो उठती है। एंकर भी इनके आगे असहाय नज़र आते है। कई बार छीना झपटी और मारपीट की नौबत आ जाती है। सच तो यह है जब से टीवी न्यूज चैनलों ने हमारी जिंदगी में दखल दिया है तब से हम एक दूसरे के दोस्त कम दुश्मन अधिक बन रहे है। समाज में भाईचारे के स्थान पर घृणा का वातावरण ज्यादा व्याप्त हो रहा है। बहुत से लोगों ने मारधाड़ वाली और डरावनी बहसों को न केवल देखना बंद कर दिया है अपितु टीवी देखने से ही तौबा कर लिया है। लोगों ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की ओर लौटना शुरू कर दिया है। प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता अधिक प्रामाणिक समझी जा रही है। प्रबुद्ध वर्ग का कहना है प्रिंट मीडिया आज भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहा है।

इस समय देश के न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया पर नफरत और घृणा के बादल मंडरा रहे है। देश में हर तीसरे महीने कहीं न कहीं चुनावी नगाड़े बजने शुरू हो जाते है। इस समय हरियाणा सहित चार राज्यों में चुनाव होने वाले है। चुनावों के आते ही न्यूज़ चैनलों की बांछें खिल जाती है। चुनावों पर गर्मागरम बहस शुरू हो जाती है। राजनीतिक दलों के नुमाइंदे अपने अपने पक्ष में दावे प्रतिदावे शुरू करने लग जाते है। इसी के साथ ऐसे ऐसे आरोप और नफरत पैदा करने वाली दलीले दी जाने लगती है कि कई बार देखने वालों का सिर शर्म से झुक जाता है। यही नहीं देश में दुर्भाग्य से कहीं कोई घटना दुर्घटना घट जाती है तो न्यूज़ चैनलों पर बढ़चढ़कर ऐसी ऐसी बातों की झड़ी लग जाती है जिन पर विश्वास करना नामुमकिन हो जाता है। इसीलिए लोग इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता को अधिक प्रमाणिक मानते है। इसी कारण लोगों ने टीवी चैनलों पर होने वाली नफरती बहस को देखनी न केवल बंद कर दी अपितु बहुत से लोगों ने टीवी देखने से ही तौबा कर ली।

नफरत और घृणा के इस महासागर में सभी सियासी पार्टियां डुबकी लगा रही है। न्यूज चैनलों पर विभिन्न सियासी दलों के प्रतिनिधि जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते है उन्हें देखकर लगता नहीं है की यह गाँधी, सुभाष, नेहरू, लोहिया और अटलजी का देश है।

देश की सर्वोच्च अदालत कई बार इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर नियामकीय नियंत्रण की कमी पर अफसोस ज़ाहिर कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं के भाषण और टीवी चैनलों को नफरती भाषण फैलाने का जिम्मेदार ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में कई बार टेलीविजन चैनलों को जमकर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टेलीविजन चैनल समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि टीवी चैनल ऐसे एजेंडे से संचालित होते हैं, जो विभाजन पैदा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टीवी चैनल सनसनीखेज न्यूजों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं और अपने धनदाताओं (मालिकों) के आदेश के अनुसार काम करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नफरत फैलाने वाली बातें एक बड़ा खतरा हैं और भारत में स्वतंत्र एवं संतुलित प्रेस की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि एंकरों और न्यूज़ चैनल के प्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई हो तो सब लाइन पर आ जाएंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजकल सब कुछ टीआरपी से संचालित होता है और चैनल एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं तथा समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं।

गंगा जमुनी तहजीब से निकले भारतीय घृणा के इस तूफान में बह रहे हैं। विशेषकर नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद घृणा और नफरत के तूफानी बादल गहराने लगे है। हमारे नेताओं के भाषणों, वक्तव्यों और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुचिता के स्थान पर नफरत, झूठ, अपशब्द, तथ्यों में तोड़-मरोड़ और असंसदीय भाषा का प्रयोग धड़ल्ले से होता देखा जा सकता हैं।

हमारे नेता अब आए दिन सामाजिक संस्कारों और मूल्यों को शर्मसार करते रहते हैं। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, परंतु नफरत भरे बोल से कमजोर होता है, यह सर्व विदित है। आलोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं। आज पक्ष और विपक्ष में मतभेद और मनभेद की गहरी खाई है। यह अंधी खाई हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं को नष्ट भ्रष्ट करने को आतुर है। देश में व्याप्त नफरत के इस माहौल को खत्म कर लोकतंत्र की ज्वाला को पुर्नस्थापित करने की महती जरूरत है और यह तभी संभव है जब हम खुद अनुशासित होंगे और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन नहीं करेंगे।

नजरिया

आर्थिक विकास के साथ लोकतंत्र की रक्षा जरूरी

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

आजादी के 77 वर्ष के व्यतीत हो जाने के बाद स्वाधीनता एवं लोकतंत्र की आस्था का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की यथार्थ सीमाओं में वित्तीय विकास और प्रयास हमे वैश्विक स्थापना प्रदान करते हैं।आर्थिक विकास के बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था हमें मजबूत आधार स्तम्भ नहीं दे सकतीं हैं,मजबूत वित्तीय प्रबंधनऔर संवैधानिकता की जुगलबन्दी जी देश के चहुमुखी विकास को मूर्तरूप दे सक्सटें हैं। हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास को हमें अनंत काल तक बनाए रखना है और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है। वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 141 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है।

देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया। वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए। संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया। हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगाश्र केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है। गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती है। हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा, रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगा। यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता है। भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा है। जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय है। इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है, बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है। जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैं।

1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैं। हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है श्र भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी है। संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही है। सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बहुत हो गई हिंसा, अब शांति चाहिए: बस्तर के नक्सली हिंसा के पीड़ित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ''बहुत हो गई हिंसा, अब हमें शांति चाहिए... हमें हमारे पुराने दिन लौटा दीजिए जहां कोई हिंसा ना हो, कोई सड़कों को ना तोड़े और ना ही कोई स्कूल की इमारतों को ध्वस्त करे....ना ही कोई निर्दोषों पर गोलियां चलाए।'' यह कहना था छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सल हिंसा के पीड़ित केदारनाथ कश्यप का।

कोंडागांव जिले के मरदापाल निवासी केदारनाथ कश्यप के सामने ही नक्सलियों ने उनके भाई को पुलिस का मुखबिर समझ गोलियों से भून डाला था। इस हमले में एक गोली उनकी जांघ के बीचों-बीच होकर निकल गई थी। कश्यप छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सली हिंसा के उन पीड़ितों में शामिल थे, जो 'बस्तर शांति समिति' के बैनर तले कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी व्यथा सुनाने राजधानी दिल्ली आए हुए हैं।

दिल्ली पहुंचे उनकी तरह तकरीबन 50 ऐसे पीड़ित भी सभागार में मौजूद थे जिनमें से किसी ने नक्सली हिंसा में अपनी दोनों आंखें गंवा दी हैं तो किसी की एक आंख नहीं है। कुछ ऐसे भी मिले जिनकी दोनों आंखें हैं लेकिन रोशनी नाममात्र की।

इतना ही नहीं इन पीड़ितों में कुछ ऐसे भी मिले जिनकी एक टांग नहीं थी तो कोई जिंदगी भर के लिए अपाहिज बन चुका है। इनमें से किसी ने अपना बेटा खो दिया तो किसी ने अपना भाई। इनमें से अधिकांश की यह स्थिति आईआईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस)की चपेट में आने से हुई है। इन पीड़ितों ने सरकार से गुहार लगाई है कि वह उन्हें उनका वह बस्तर लौटा दे जो कभी शांति, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता था।

दंतेवाड़ा के बुरकापाल के किसान 50 वर्षीय माड़वी नंदा कभी अपने परिवार का सहारा थे लेकिन अब उन्हें लगता है कि वह परिवार पर खुद एक बोझ बन गए हैं।

नंदा बताते हैं कि जब वह 39 वर्ष के थे तब वह नक्सलियों की ओर से बिछाई गई आईईडी विस्फोट की चपेट में आ गए थे और नक्सलियों ने उन्हें मृत मान लिया था। उन्होंने बताया कि उनकी जान तो बच गई लेकिन इस विस्फोट में उन्होंने अपनी दोनों आंखें गंवा दी।

अपनी आपबीती सुनाते-सुनाते भावुक होकर नंदा ने 'भाषा' से कहा, ''इस जीवन से तो मौत ही भली थी। भगवान से यही कहूंगा कि ऐसा जीवन किसी को ना दे। हर एक काम के लिए दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है। आंखें होती तो कम से कम कुछ तो करता।''

बस्तर संभाग के अंतर्गत बस्तर, कोंडागांव, कांकेर, दंतेवाडा, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर जिले आते हैं। इनमें दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और कांकेर जिले नक्सली समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं।

कांकेर के कलारपुरा के दयालू राम उस घटना को याद कर रो पड़ते हैं जब 2018 की सुबह वर्दी और बंदूकधारी नक्सलियों ने उनके सामने उनके एक बेटे की गर्दन काट डाली थी।

इस हमले में खुद दयालू राम भी बुरी तरह चोटिल होकर बेसुध हो गए थे और उन्हें मरा हुआ समझकर नक्सली चले गए थे।

वह बताते हैं, ''मैं इतना असहाय था कि अपने बेटे की अंत्येष्टि तक में शामिल नहीं हो सका।'' उन्होंने कहा, ''यह किसी के साथ न हो। हम अपनी यही पीड़ा लेकर दिल्ली आए हैं। हमारी सहायता करें। हमारी आने वाली पीढ़ियों को यह न झेलना पड़े। नक्सलवाद जड़ से खत्म होना चाहिए और बस्तर पहले जैसा था, वैसा चाहिए।''

बस्तर में नक्सली हिंसा के इन पीड़ितों ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की और उन्हें अपनी व्यथा से अवगत कराया।

मुलाकात के बाद शाह ने नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की अपील के साथ ही चेतावनी भी दी कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो उनके खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा।

डेंगू की रोकथाम का किया आह्वान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । माउंट कार्मेल कॉलेज के विद्यार्थियों की एक टीम ने वेंकटेशपुरम में डेंगू जागरूकता अभियान चलाया। इसका मकसद स्थानीय लोगों को मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के बारे में जागरूक करना था। टीम ने घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया और मच्छरों के पनपने की जगहों और उनसे बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी। टीम ने मच्छर जनित बीमारियों से सुरक्षित रहने को लेकर जागरूकता का प्रसार किया।

डेंगू की रोकथाम के लिए युवाओं ने जागरूकता का प्रसार किया। इस अभियान में युवाओं ने लोगों से आग्रह किया कि मच्छर न पनपें, इसके लिए वे सफाई का खास ध्यान रखें। मच्छरों से सुरक्षित रखने वाली सामग्री का उपयोग करें तथा डेंगू के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें। इस अभियान का मकसद डेंगू से बचने के लिए की गईं तैयारियों की जानकारी लेना भी था। यह पहल सामाजिक जिम्मेदारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति कॉलेज की बड़ी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

आंटी होने पर गर्व महसूस करती है जीनत अमान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जीनत अमान आंटी होने पर गर्व महसूस करती है। जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए उन लोगों को जवाब दिया है जो आंटी शब्द को अपमानजनक समझते हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ एक लंबा कैप्शन लिखा है और खुद को आंटी बताया है। जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक कूल तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में जीनत अमान टी-शर्ट और पैन्ट्स पहने नजर आ रही हैं। साथ ही, उन्होंने सनग्लासेज भी

लगाए हुए हैं। जीनत अमान की टी-शर्ट पर अंग्रेजी में आंटी लिखा हुआ है। जीनत अमान ने इस तस्वीर के साथ एक कैप्शन भी लिखा है। जीनत अमान ने पोस्ट में लिखा- किस जीनियस ने तय किया कि आंटी एक अपमानजनक शब्द है? यह निश्चित रूप से मैं नहीं थी। हम उन सर्वव्यापी बूढ़ी महिलाओं के बिना कहां होते जो हमारे जीवन को आरामदायक और सुरक्षित बनाती हैं। भारतीय आंटी हर जगह हैं, और उनका आपसे कोई संबंध होना भी ज़रूरी नहीं है।मैं, मैं एक आंटी हूं और मुझे उसपर गर्व है। मेरे जीवन में मेरे पास मेरी स्टेपमदर शामिम आंटी थीं, जो मेरे लिए बड़ा सहारा थीं जब मेरे बच्चे छोटे थे। वो हमारे लिए खाना बनाती थीं, बच्चों को देखती थीं और हर रोज मेरा हालचाल पूछती थीं।

दक्षिण अफ्रीका में वैज्ञानिकों ने सील में रेबीज के पहले मामले का पता लगाया

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने 'सील' में रेबीज के प्रकोप की पहचान की है और ऐसा माना जा रहा है कि पहली बार समुद्री स्तनधारियों में यह वायरस फैला है। 'सील' ज्यादातर आर्कटिक और अंटार्कटिक के जल में पाई जाती है, जो काफी ठंडा होता है। सरकारी पशु चिकित्सक डॉ. लेस्ली वैन हेल्डेन ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी और दक्षिणी तट पर विभिन्न स्थानों पर मृत पाई गई कम से कम 24 'केप फर सील' रेबीज से पीड़ित थीं। रेबीज, स्तनधारियों को प्रभावित करता है और इसका वायरस मनुष्यों में प्रवेश कर सकता है। इसके लक्षण नजर आने के बाद यह लगभग हमेशा घातक होता है। रेबीज लार के माध्यम से फैलता है और आमतौर पर जंतु के काटने से फैलता है। हेल्डेन और अन्य विशेषज्ञों ने इस सप्ताह कहा कि यह वायरस लंबे समय से जंगली जानवरों जैसे रैकून, कोयोट, लोमड़ी, सियार और पालतू कुत्तों में पाया जाता रहा है। लेकिन इसके समुद्री स्तनधारियों में फैलने का मामला अबतक सामने नहीं आया था।

समुद्री स्तनधारी में रेबीज का एकमात्र ज्ञात मामला 1980 के दशक की शुरुआत में नॉर्वे के स्वालबार्ड द्वीप समूह में एक सील में सामने आया था। शोधकर्ताओं ने कहा कि उस सील को संभवतः एक आर्कटिक लोमड़ी ने संक्रमित किया था, और वहां सील में रेबीज फैलने का कोई साक्ष्य नहीं था। दक्षिण अफ़्रीका में अधिकारियों ने जून में केप फर सील में रेबीज का पहली बार पता लगाया, जब केप टाउन बीच पर एक कुत्ते को सील ने काट लिया था।

एमी पुरस्कारों के लिए नामित हुई 'द नाइट मैनेजर' सीरीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर और शोभिता धूलिपाला अभिनीत 'द नाइट मैनेजर' के भारतीय संस्करण को '2024 अंतरराष्ट्रीय एमी अवार्ड' में 'ड्रामा सीरीज' श्रेणी में नामांकन मिला है।

'इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज' (आईएटीएएस) द्वारा बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क में नामांकन सूची की घोषणा किए जाने के दौरान 'द नाइट मैनेजर' 14 श्रेणियों में भारत से एकमात्र प्रविष्टि रही।

संदीप मोदी और प्रियंका घोष द्वारा निर्देशित यह सीरीज जॉन ले कैरे के उपन्यास और टॉम हिडलेस्टन, ह्यूग लॉरी और ओलिविया कोलमैन अभिनीत ब्रितानी टीवी सीरीज का भारतीय संस्करण है। इस श्रेणी में 'द नाइट मैनेजर' का मुकाबला फ्रेंच शो 'लेस गौटेस डी डियू' (ड्रॉप्स ऑफ गॉड), ऑस्ट्रेलिया के 'द न्यूजरीडर - सीजन 2' और अर्जेंटीना के 'लोसी, एल एस्पिया अरेंपेंटिडो' के दूसरे सीजन से होगा। 'नाइट मैनेजर' में मुख्य भूमिका निभाने वाले आदित्य कपूर ने उनकी सीरीज को अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कार के लिए नामांकन होने पर खुशी जताई और इसे पूरी टीम के लिए ''बड़ी बात'' बताया।

आदित्य ने कहा, ''मेरी पहली सीरीज के लिए एमी नामांकन..वाह। पहले दिन से ही हम जानते थे कि हम 'द नाइट मैनेजर' के जरिए कुछ खास बना रहे हैं, लेकिन इसे पूरे देश और दुनिया भर में इतना प्यार और पहचान मिलेगी, इसकी हम में से किसी ने भी कल्पना नहीं की थी। यह हम सभी के लिए बहुत बड़ी बात है।'' इस सीरीज में आदित्य कपूर ने एक होटल के 'नाइट मैनेजर' शान सेनगुप्ता की भूमिका निभाई है, जो हथियारों का कारोबार करने वाले शैलेन्द्र 'शेली' रूंगटा (अनिल कपूर द्वारा अभिनीत) के साम्राज्य को ध्वस्त करने के लिए गुप्त रूप से काम करता है।

अनिल कपूर ने कहा कि वह इस नामांकन से ''खुश'' हैं, जो यह साबित करता है कि कड़ी मेहनत का फल हमेशा मिलता है।

'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' पर प्रसारित 'द नाइट मैनेजर' का निर्माण 'द इंक फैक्ट्री' और 'बनिजय एशिया' ने किया है। इसमें तिलोत्तमा शोम, सास्वता चटर्जी और रवि बहल ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाए हैं।

सीरीज में कावेरी का किरदार निभाने वाली धूलिपाला ने कहा, ''यह बहुत शानदार खबर है। मैं निर्देशकों संदीप मोदी और प्रियंका घोष के साथ-साथ हमारे अभूतपूर्व तकनीकी दल के लिए बहुत खुश हूं। इस रोमांचक क्षण के लिए अनिल सर, आदित्य, तिलोत्तमा और बाकी कलाकारों को बहुत-बहुत बधाई।'' संदीप मोदी ने कहा कि वह इस बात से बहुत खुश हैं कि 'द नाइट मैनेजर' '2024 इंटरनेशनल एमी' में नामित एकमात्र भारतीय सीरीज है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए लोगों से की भावुक अपील

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी पीरियड पॉलिटिकल ड्रामा इमरजेंसी को लेकर दर्शकों से भावुक अपील की है। कंगना ने दर्शकों को फिल्म देखने तक कोई भी फैसला सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। उन्होंने दर्शकों को बाहरी दबावों के आगे झुकने के बजाय अपनी राय बनाने देने के महत्व पर जोर दिया।कंगना ने कहा, इमरजेंसी एक प्रामाणिक फिल्म है और अगर कुछ लोग दर्शकों को भड़का रहे हैं, तो फिल्म देखने के बाद ही फैसला किया जाना चाहिए। फिल्म देखने से पहले इसे प्रतिबंधित न करें।अन्य फिल्मों को रिलीज से पहले इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन आखिरकार उन्हें प्रदर्शित किया गया। मैं अपनी फिल्म के समर्थन में अकेली खड़ी हूं। कंगना ने इंडस्ट्री से समर्थन की कमी पर निराशा व्यक्त की, पद्मावत और उड़ता पंजाब जैसी फिल्मों की रिलीज के साथ अपने अनुभव की तुलना की, जिन्हें धमकियों का सामना करने के बावजूद समर्थन मिला और आखिरकार सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।उन्होंने कहा,पद्मावत और उड़ता पंजाब जैसी फिल्में तमाम

धमकियों के बाद भी अच्छी तरह से रिलीज हुईं, लेकिन जब मेरी फिल्म की बात आती है, तो कोई भी आगे नहीं आया। मैं पूरी तरह से अपने दम पर हूं। इमरजेंसी में, कंगना ने दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी हैं। ज़ी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म का संगीत संचित बलहारा, अंकित बलहारा और जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

नेहा शर्मा ने कॉल मी टेन के साथ पाक-कला की यात्रा शुरू की

नयी दिल्ली/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री नेहा शर्मा ने कॉल मी टेन के साथ पाक-कला की यात्रा शुरू की है। नेहा शर्मा, जो स्क्रीन पर अपने शानदार अभिनय और बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं, एक नए उद्यम की शुरुआत करने जा रही हैं। भोजन और आतिथ्य के प्रति अपने जुनून को अपनाते हुए, नेहा को अपने रेस्तरां 'कॉल मी टेन' के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो एक प्रगतिशील इज़ाकाया जापानी रेस्तरां और ओमाकासे बार है। नेहा शर्मा ने कहा, मुझे हमेशा से ही भोजन का शौक रहा है, और 'कॉल मी टेन' खोलना एक सपने के सच होने जैसा है।

यह प्यार का श्रम है, एक ऐसी जगह जहाँ लोग स्वादिष्ट भोजन, बढ़िया कंपनी और प्रामाणिक जापानी आतिथ्य का आनंद लेने के लिए एक साथ आ सकते हैं। मैं इस अनुभव को सभी के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूँ। सह-संस्थापक करण आर चावला, अंगद सिंह और अक्षय शौकीन ने अवधारणा और दृष्टि के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, कॉल मी टेन आतिथ्य उद्योग में हमारी यात्रा की परिणति का प्रतिनिधित्व करता है, जो दिल्ली में आधुनिक जापानी भोजन को फिर से परिभाषित करने की दृष्टि से प्रेरित है। हमने शहर के पाक परिदृश्य में एक वास्तविक प्रगतिशील जापानी अनुभव के लिए एक अंतर देखा - जो पारंपरिक से परे है। कॉल मी टेन आधिकारिक तौर पर 22 सितंबर को दिल्ली के वसंत विहार में खुलेगा।

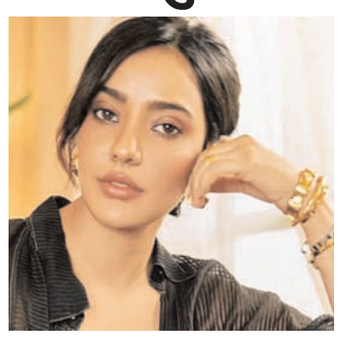

तमिल और तेलुगू में बनायी जाएगी फिल्म 'किल' की रीमेक

मुंबई/एजेन्सी

धर्मा प्रोडक्शंस और सिख्या एंटरटेनमेंट की फिल्म किल के रीमेक को तमिल और तेलुगु में बनाया जायेगा। फिल्म किल ने अपनी सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते हुए एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। हॉलीवुड में दिलचस्पी जगाने के बाद, जॉन विक के निर्देशक चैड स्टेल्स्की ने अंतर्राष्ट्रीय रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं, अब यह एक्शन-थ्रिलर दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी जगह बना रही है। लक्ष्य अभिनीत और राघव जुयाल, आशीष विद्यार्थी और तान्या मानिकतला जैसे बेहतरीन कलाकारों से सजी किल ने पूरे भारत में अपनी पहुंच बढ़ा ली है, क्योंकि इसके तमिल और तेलुगु रीमेक पर काम चल रहा है। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित इस फिल्म के तेलुगु और तमिल रीमेक का निर्देशन रमेश वर्मा करेंगे और इसका निर्माण ए स्टूडियो के बैनर तले किया जाएगा।

निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित, किल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपने प्रीमियर के बाद से ही प्रशंसकों की पसंदीदा फिल्म बन गई है, जहाँ यह पीपुल्स च्वाइस अवार्ड: मिडनाइट मैडनेस के लिए उपविजेता बनी, जिसके बाद जुलाई 2024 में रिलीज़ हुई। फिल्म के अविश्वसनीय रूप से खूनी एक्शन सेट, ट्रेन में सामने आने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी और कलाकारों द्वारा किए गए ज़बरदस्त अभिनय ने आलोचकों और दर्शकों दोनों से ही शानदार समीक्षा प्राप्त की है। जैसे-जैसे फिल्म एक नया मील का पत्थर छू रही है, इसके तमिल और तेलुगु रीमेक दक्षिण भारतीय दर्शकों को चौंका देने वाले हैं।

नेटफ्लिक्स ने 'अवतार: द लास्ट एयरबेंडर' सीजन 2 के निर्माण की पुष्टि की

वाशिंगटन/एजेन्सी

हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अवतार: द लास्ट एयरबेंडर' के लाइव-एक्शन रूपांतरण के दूसरे सीज़न के निर्माण की घोषणा कर दी गयी है। 'अवतार: द लास्ट एयरबेंडर' सीजन 2 के निर्माण की घोषणा नेटफ्लिक्स द्वारा जारी एक टीज़र वीडियो के माध्यम से की गयी है।

स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स ने खुलासा किया कि मिया सेच इस फिल्म में प्रिय किरदार टोफ की भूमिका को निभाती नजर आयेंगी।जिसमें सेच का चेहरा छिपाए रखते हुए, उनके किरदार की प्रभावशाली अर्थ-बेंडिंग क्षमताओं को दिखाया गया है। सेच के पिछले क्रेडिट में एमी विजेता सीरीज़ 'बीफ़' में एक उल्लेखनीय भूमिका और एडम सैंडलर की 'यू आर सो नॉट इनवाइटेड टू माई बैट मिट्ज़वा' में एक हिस्सा शामिल है। इस फिल्म के पहले सीजन का प्रीमियर फरवरी 2024 में हुआ था, जिसके रिलीज़ होने के तुरंत बाद फिल्म के दो अतिरिक्त सीज़न की घोषणा कर दी गयी थी। अवतार: द लास्ट एयरबेंडर' सीजन 2 के लिए शो के कलाकारों में फायर लॉर्ड ओजाई के रूप में डैनियल डे किम, जनरल इरोह के रूप में पॉल सन-ह्यांग ली, कमांडर झाओ के रूप में केन लेउंग, राजकुमारी अज़ुला के रूप में एलिजाबेथ यू और प्रिंस ज़ुको के रूप में डलास लियू शामिल हैं। शो के प्रीमियर से पहले साक्षात्कार में कॉर्मियर, कियावेंटियो, ओस्ले और लियू ने टोफ को अपने साथ लाने के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, कियावेंटियो ने कहा, एनिमेटेड सीरीज़ के साथ, यह हर सीज़न में बेहतर होती जा रही है। मुझे लगता है कि हमारे समूह में एक नए सदस्य का जुड़ना, टोफ़ को देखना, बेहद रोमांचक है।

रानी मुखर्जी वर्ल्ड रोज डे पर कैंसर जागरूकता अभियान में शिरकत करेंगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रानी मुखर्जी वर्ल्ड रोज डे के मौके पर कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन के साथ साझेदारी कर रही हैं। रानी मुखर्जी मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक को लाल रंग में रोशन करेंगी, जिससे कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके। इस महत्वपूर्ण आयोजन में रानी के साथ कुछ युवा कैंसर मरीज भी शामिल होंगे। रानी मुखर्जी ने कहा, मुझे इस महत्वपूर्ण उद्देश्य का समर्थन करने का अवसर मिला, इसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। मैं कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे इस नेक काम का हिस्सा बनने का मौका दिया। जो लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं, उन्हें हमारे समर्थन और करुणा की जरूरत है। हमें सभी को कैंसर के बारे में जागरूक करने में भाग लेना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि यह गतिविधि जागरूकता फैलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रानी मुखर्जी ने कहा, कलाकार के रूप में हमें अपने दर्शकों से बहुत सारा प्यार मिलता है। यह हमें एक जिम्मेदारी भी देता है कि जब भी जरूरत हो, हम अपनी भूमिका निभाएं। मैं मानती हूं कि कलाकारों को अपनी आवाज का इस्तेमाल महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करना चाहिए। हमें कैंसर से पीड़ित लोगों और उनके परिवारों के लिए करुणा का माहौल तैयार करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 21-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने पाप के विपाक पर विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा यह जीवन दिन-रात की तरह परिवर्तनशील है।

'शरीर नश्वर, आत्मा हमारी अपनी है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा परम तत्व को प्राप्त करने के पश्चात हमें धर्म देशना देते हैं। हम भव भ्रमणा में जी रहे हैं। जो हमें शरीर, परिवार, परिजन, सुख, दुख दिखाई देता है उसकी ओर तो हम ध्यान देते हैं लेकिन जो हमारी आत्मा हमें दिखाई नहीं देती है उसकी ओर हम ध्यान ही नहीं देते हैं। हमें इस भव भ्रमणा से निकलने और सही दिशा में जाने के लिए हमारी आत्मा की ओर ध्यान देना होगा। एक सिर्फ आत्मा हमारी है बाकी यह नश्वर शरीर तो नष्ट होने वाला है। हमने अपनी आत्मा को आहार नहीं दिया है। हम सिर्फ अपनी इन्द्रियों का पोषण करने में लगे हुए हैं। हमारे अन्तर्मन के दो मन हैं। एक मन अच्छा और एक बुरा मन है जिसमें द्वन्द चलता रहता है। साध्वीश्री के दर्शन हेतु चौहटननगर संघ के सदस्य पहुंचे। चौहटन नगर में आगामी अप्रैल माह में होने वाली प्रभु आदिनाथ की प्रतिष्ठा और दीक्षा में सान्निध्यता प्रदान करने हेतु गुरुदेव और साध्वीवर्याओं से निवेदन किया।

हमारा जीवन दिन-रात की तरह परिवर्तनशील है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने पाप के विपाक पर विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा यह जीवन दिन-रात की तरह परिवर्तनशील है। हमारी यह जिन्दगी बीतती जा रही है। बचपन जवानी और बुढ़ापा ये जीवन के तीन पड़ाव है। एक चलचित्र की तरह मनुष्य की यह जिन्दगानी है, जिसमें सुख-दुःख सब बारी से बारी से जाते हैं और नाटक में नायक के निभा रहे एक पार्ट की तरह अपनी भूमिका निभाकर चले जाते है। मृत्यु की शाश्वत सत्यता को जानकर और अपने किए कर्मों का फल जीव की खुद ही उसे भीगना पड़ेगा। दूसरा कोई उसमें आपके किए कर्म पाप-फल को भुगतने में हिस्सेदार नहीं बनेगा। तीर्थंकर-ज्ञानी महापुरुषों की वाणी का भी यही सार हैं कि अपने किए कर्मों को भोगे बिना जीव की मुक्ति कदापि संभव नहीं है। फिर भी संसार में मोहान्ध प्राणी धर्म से दूरी बनाकर ज्ञानी - सत्पुरुषों के उपदेश अपने जीवन में अपनाने से कतराते हैं। जैसे हवा के एक झोखे से जगमगाता रोशनी बिखेरता दीपक कब बुझ जाए पता नहीं चलता है। ठीक वैसे ही यह क्षणभंगुर अशाश्वत, नाशवान, क्षणिक, अस्थिर यह उस जलते दीपक के समान यह हमारा मानव जीवन हैं। अतः समझदार इंसान वही है जो संसार में रहकर भी जल-कमलवत् निर्लिप्त जीवन जीते हुए कर्म करते समय सजग सावधान रहता है और सदैव धर्ममय जीवन जीता है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अन्तिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्ययन पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि मरण के दो प्रकार अकाम मरण और सकाम मरण की चर्चा करते हुए आज पहले अकाम मरण के स्वरुप् के बारे में बताया कि जिसने जन्म लेकर भी अपने जीवन के लक्ष्य को नहीं समझा। जो भव्यात्मा अपने जीवन के अंतिम काल में सजग-सावधानी रूप जो संलेखना - संचारा सहित अंत समय में पण्डितमरण को प्राप्त करते हैं वो साधक आत्मा अपने मृत्यु को महोत्सव बना देते हैं। रविवार को दोपहर में 2 से महाराणा प्रताप की यशोगाथा पर विशेष प्रवचन होगा। साथ में श्रमण संघीय महामंत्रीश्री सौभाग्यमुनिजी कुमुद की चतुर्थ पुण्यतिथि तप-त्यागपूर्वक मनाई जाएगी। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। संचालन संघ के उपाध्यक्ष पारसमल दुगड़ ने किया ।

बलात्कार और हनी ट्रैप मामले में भाजपा विधायक गिरफ्तार

अन्य मामलों में मिली थी बेल, तुरन्त हुए गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मुनिरत्ना को शुक्रवार को बेंगलूरु में बलात्कार और हनीट्रैप के आरोपों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। काग्गलीपुरा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी और विधायक को बेंगलुरु केंद्रीय कारागार से बाहर आते ही हिरासत में ले लिया। अदालत ने गुरुवार को वायलिकावल पुलिस स्टेशन में दर्ज दो मामलों में उन्हें जमानत दे दी थी, जिसमें उसके खिलाफ अत्याचार और जान से मारने की धमकी देने का आरोप था। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि सेंट्रल जेल में डिप्टी एसपी दिनाकर शेट्टी की अगुवाई वाली टीम ने उन्हें पहले हिरासत में लिया फिर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस विधायक से बलात्कार और हनीट्रैप मामले में पूछताछ करेगी और शनिवार को उन्हें अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। कर्नाटक पुलिस ने जेल में बंद विधायक के खिलाफ बलात्कार, हनीट्रैप, बलात्कार की वीडियोग्राफी करने और एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता को धमकाने के संबंध में एफआईआर दर्ज की थी।

इससे पहले मुनिरत्ना को एक ठेकेदार को जान से मारने की धमकी देने और जातिवादी गाली देने के आरोप में बेंगलुरु सेंट्रल जेल में रखा गया था। विशेष अदालत ने गुरुवार को इन मामलों में मुनिरत्ना की जमानत याचिका मंजूर कर ली थी। रामनगर जिले की कागगलीपुरा पुलिस ने गुरुवार को एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत के बाद मुनिरत्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि सार्वजनिक जीवन में मुनिरत्ना से उसका परिचय हुआ था। उसने मोबाइल पर कॉल करके उसके साथ दोस्ती बढ़ाई। वह उसे मुत्याला नगर में अपने गोदाम में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया।

शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि उसने इस कृत्य को रिकॉर्ड किया और उसे धमकी दी कि अगर मामला सामने आया तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि उसे अलग-अलग निजी रिसॉर्ट्स में लोगों को हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया गया था। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा, बीजेपी विधायक ने मुझे हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया। उसने मुझे यह काम करवाने के लिए जान से मारने की धमकी दी थी। कागगलीपुरा पुलिस ने उसके छह साथियों विजयकुमार, किरण, लोहित, मंजूनाथ, लोकी और दो अन्य के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है।

पीड़िता बुधवार देर रात पुलिस के पास पहुंची और डिप्टी एसपी दिनाकर शेट्टी के सामने अपना बयान दर्ज कराया। पुलिस ने गुरुवार तड़के आईपीसी की धारा 354 (ए), 354 (सी), 308, 406, 384, 120 (बी), 504, 506 और 149 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने राजराजेश्वरी नगर से विधायक के खिलाफ आईटी एक्ट और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। चूंकि घटना पहले हुई थी, इसलिए आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने गुरुवार को पुलिस स्टेशन से बाहर आते हुए कहा कि वह तनाव में थी और पुलिस विभाग ने उसे घटना के बारे में बात करने की अनुमति नहीं दी था। उसने कहा कि मैंने बहुत कुछ सहा है।

सत्य का साथ छूटना नहीं चाहिए : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में दैनिक प्रवचन में राजेशमुनिजी ने सत्य को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में उजाला लाने के लिए हमें सत्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि जीत अंत में सत्य की ही होती है। मुनिजी ने कहा कि आज समाज में संस्कारों का स्थान पैसे ने ले लिया है। संस्कार गौण होते जा रहे हैं। यदि सत्य चला गया तो समझिए कि हमारा सब कुछ चला गया।

सत्य का साथ छूटने पर हमारी आत्मा भी साथ छोड़ देती है। हमारे संस्कार और धर्म पैसे से बढ़कर हैं। धर्म कभी दगा नहीं दे सकता और सत्य ही धर्म है। आप सत्य से भाग सकते हैं लेकिन सत्य को झुठला नहीं सकते। झूठ के सहारे जीवन नहीं चल सकता। यदि जीवन में शांति चाहिए तो सत्य जरूरी है। इस मौके पर ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किया। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया

असत्य से सरलतारूपी सर्वश्रेष्ठ गुण का नाश होता है : संतश्री विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन देते हुए विनयमुनिजी खींचन ने व्यवहार सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सत्य भगवान है, ऐसा ही जैनागमों में लिखा है। मृषा-झूठ मानवीय व्यवहार को अविश्वसनीय बनाता है। सच को ही भगवान माना गया है। समाज, राष्ट्र, व्यापार, रिश्तों सभी स्थानों पर असत्य व अविश्वास बढ़ने पर अराजकतत्वों की वृद्धि होती है। असत्य से सरलतारूपी सर्वश्रेष्ठ गुण का नाश होता है। बिना सरलता चारित्र गुण आत्मा में ठहरता नहीं है। भगवान महावीर ने कहां कि सत्यमें श्रद्धा निष्ठा को बढ़ावें। असत्य, अनीति-अन्याय की जननी है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

अलसूर संघ ने डायलेसिस रोगियों के सहयोगार्थ दिया आर्थिक सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर ने कर्नाटक जैन रिलीफ फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित जय महावीर डायलेसिस सेंटर में जरुरतमंदों को डायलेसिस सेवा उपलब्ध कराने हेतु संघ से एक मुश्त योगदान राशि प्रदान की गई। डायलेसिस सेवा केंद्र के कमल गादिया ने बताया कि अलसूर के यूविन केयर अस्पताल के परिसर में डायलेसिस 9 मशीनें संचालित करता है और मात्र स्वल्प संचालन शुल्क पर प्रति माह करीब 450 व्यक्ति को सेवा दे रहा है। डायलेसिस सेंटर की सेवा की प्रशंसा करते हुए अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि मानवता की सेवा अपना पहला कर्तव्य है और जैन समाज इसमें हमेशा अग्रणी रहता है।

अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया ने संघ की ओर से यह राशि डायलेसिस सेंटर के संचालक अजीत लोढ़ा, महावीर बोहरा, कमल गादिया, पदम तातेड, त्रिलोक धारीवाल को प्रदान की। संघ की ओर से दिलीप गादिया, गौतमचंद छाजेड़, उगमराज मुथा, भभूतराज तालेड़ा, प्रकाशचंद नाहटा, राजेश बोरुंदिया आदि उपस्थित थे।

'प्रोजेक्ट चीता' अच्छा काम कर रहा है : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अफ्रीका से लाए गए चीतों का शीघ्र और सफल प्रजनन यह दर्शाता है कि उन्हें फिर से बसाने की परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और भारत में चीतों के पर्यावास की स्थितियां उनकी स्थिर आबादी को सहारा देने के लिए अनुकूल हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

'प्रोजेक्ट चीता' के दो वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा जारी रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया कि भारतीय अधिकारियों ने चीतों द्वारा सफल प्रजनन सुनिश्चित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है। एसओपी में बाड़ों के भीतर संसर्ग के अवसरों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना शामिल है।

इस परियोजना को एक बड़ा समर्थन तब मिला जब दो वर्षों में भारतीय धरती पर 17 शावकों का जन्म हुआ, जिनमें से 12 जीवित रहे।

समकित को सैनिक शिविर में मैप रीडिंग में मिला स्वर्ण पदक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नेशनल कैडेट कोर(एनसीसी)ऑल इंडिया थल सैनिक शिविर का इस माह के प्रारंभ में दस दिवसीय शिविर का आयोजन नई दिल्ली में किया गया जिसमें बेंगलूरु के समकित कुमट ने एनसीसी कर्नाटक एवं गोवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। ऑल इंडिया थल सैनिक शिविर में चयनीत होने के लिए पूरे देश के एक हजार स्कूल व कॉलेजस् के 73 हजार एनसीसी कैडेट में से मात्र 91 कैडेट का इस सैनिक शिविर के लिए चयन होता है। कर्नाटक और गोवा डायरेक्टरेट की ओर से समकित कुमट का चयन मैप रीडिंग क्षेत्र में हुआ तथा उन्होंने इस शिविर में सफल भाग लिया। ज्ञातव्य है कि समकित बेंगलूरु समाज के जाने माने कर सलाहकार व समाजसेवी रुपचन्द कुमट के पुत्र हैं जिन्होंने 75 दिनों तक बेंगलूरु, तुमकुर, रामनगर व मैसूर एनसीसी कैंप में रहकर मैप रीडिंग में अव्वल दर्जा प्राप्त किया तथा जिसके परिणामस्वरुप उनका थल सैनिक शिविर में चयन हुआ। सेन्ट जोसेफ कॉलेज से चयनीत तीन विद्यार्थियों में से एक समकित कुमट ने मैप रीडिंग में पूरे भारत में चौथा स्थान प्राप्त कर बटालियन एंड ग्रुप लेवल पर स्वर्ण पदक जीता।

हिंसा और अपराध किसी के हित ने नहीं : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि कुछ तथाकथित राजनेताओं के भरोसे जो भी लोग अपराध करते हैं, वे एक न एक दिन बहुत पछताते हैं। उन्हें कहीं न कहीं भारी सजा भुगतनी पड़ती है। राजनीतिक हिंसाओं से नेताओं का नहीं, प्रजा का अहित होता है। यह सोच समझ हर नागरिक में होनी चाहिए। सप्ताह भर में अलग अलग राज्यों में पत्थरबाजी, आगजनी, हिंसा और अराजकता की जो भी घटनाएं बनी हैं, वे बहुत गलत संकेत दे रही है। विविध वर्गों का आपसी प्रेम और विश्वास पूरी तरह से नष्ट हो रहा है। वोट तो कभी भी किसी को भी मिल सकते हैं और वे बदल भी सकते हैं,

लेकिन आपराधिक मानसिकता लेकर कोई भी वर्ग शांति से जी नहीं सकता। अलग अलग राज्यों में बनी इन अवांछित घटनाओं में नेताओं और सरकारों की भूमिका पर लोग सवाल उठा रहे हैं। उन पर से लोगों का विश्वास समाप्त हो रहा है। लोकतंत्र में अनेक पार्टियां अलग अलग वर्गों के भरोसे चुनाव लड़ती हैं, लेकिन जीतने के बाद तो नेताओं और सरकारों की जिम्मेदारी बनती हैं कि वे निष्पक्ष रहकर सभी वर्गों के हितों की रक्षा करें। अगर ऐसा नहीं होता हैं तो वह यथार्थ लोकतंत्र नहीं है, सिर्फ राजतंत्र है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हिन्दू और जैन समाज को संगठित होना होगा और सरकारों को निष्पक्षता का परिचय देना होगा। तभी राष्ट्र की एकता, अखंडता और अस्मिता बरकरार रह सकती हैं। अन्याय-अनीति अथवा तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए लंबे समय तक कोई पार्टी राज नहीं कर सकेगी। गलतियों और अपराधों को पोषण देना सभी वर्गों के लिये खतरनाक है। अपराध सिखाकर अथवा अपराधियों को आसरा देकर कोई गौरवशाली नहीं बन सकता। इन वर्षों में देश में सर्वत्र असहिष्णुता का वातावरण अत्यधिक बढ़ गया है। गृहयुद्ध जैसा माहौल बन गया है। यह किसी के हित में नहीं है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि अनेक गांवों शहरों के श्रद्धालु धर्मसभा में उपस्थित थे।

भविष्य के युद्ध पर पहला पाठ्यक्रम 23 से शुरू होगाः सीडीएस जनरल चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भविष्य के युद्ध पर आधारित पहला पाठ्यक्रम 23 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें विभिन्न रैंक के अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां भारत शक्ति रक्षा सम्मेलन में एक संवाद सत्र में सरकार द्वारा परिकल्पित संयुक्त थिएटर कमान की व्यापक रूपरेखा के बारे में भी बात की।

उनसे सेना के तीनों अंगों के कमांडरों के हाल में हुए सम्मेलन के निष्कर्ष के बारे में पूछा गया था।

जनरल चौहान ने कहा, ''हमने इस बात पर भी चर्चा की कि युद्ध किस तरह विकसित हो रहा है और हमें इसके बारे में क्या करने की आवश्यकता है, तथा मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।

इसमें हमने भविष्य के युद्ध पाठ्यक्रम जैसी चीज पर चर्चा की, जो चार दिन बाद, 23 (सितंबर) को शुरू होने जा रहा है। यह पहला पाठ्यक्रम है, जिसे हम तैयार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह नियमित पाठ्यक्रम से थोड़ा अलग है, जहां समान रैंक के अधिकारी पाठ्यक्रम में भाग लेते हैं।

सीडीएस ने कहा, ''इसमें रैंक की कोई बात नहीं है और आप मेजर से लेकर मेजर जनरल रैंक के अधिकारियों को इस विशेष पाठ्यक्रम में भाग लेते देखेंगे। इसलिए यह बाधाओं को तोड़ रहा है। यह कुछ नया है जो हम करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि एक मेजर जनरल संभवतः एक मेजर से कुछ सीख सकता है और एक मेजर एक मेजर जनरल से रणनीति एवं अभियानों के बारे में सीख सकता है।

सीडीएस ने कहा कि यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम है और संभवतः यह ''भविष्य में परिपक्व होगा''। जनरल चौहान ने कहा, ''...हम यह बताने जा रहे हैं कि हम भविष्य में कैसे लड़ेंगे और हम कैसे रोडमैप तैयार करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणेश उत्सव

बेंगलूरु के हम्पीनगर क्षेत्र के निवासियों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं विशिष्ट अतिथि जीडीएस नेता बिरादर ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com